सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

राहुल ने टॉस को बताया हार के लिए जिमेदार, ओस के कारण गेंदबाजी -पेज: 7

मैं राजनीति के लिए नहीं बनी, बॉलीवुड के पेमेंट गैप पर भी बोली -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 236 | शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद बरामद

मणिपुर: मणिपुर की इंफाल घाटी में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बुधवार को इंफाल पश्चिम जिले के लोइटैंग सांडुम हिल से एक .303 राइफल, एक डबल-बैरल बंदूक, एक सिंगल-बैरल बंदूक और एक नौ एमएम की पिस्तौल बरामद की गई। बरामद किए गए अन्य सामानों में 118 कारतूस, एक हथगोला, आठ डेटोनेटर, विभिन्न प्रकार की आठ मैगजीन आदि शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इंफाल पूर्वी जिले के केइराओ वांगखेम के पास नगरियान हिल की तलहटी से 12-बोर की एक सिंगल-बैरल बंदूक, मैगजीन के साथ एक नौ एमएम एसएमजी कार्बाइन, दो हथगोले और लगभग दौ किलोग्राम वजन का एक आ-ईईडी बरामद किया गया।

पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात पर टिकी दुनिया की नजर

नई दिल्ली एजेंसी: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय दौरे पर 4 दिसंबर को शाम करीब 7 बजे भारत पहुंच रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति के स्वागत के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है। अपने इस दौरे के दौरान पुतिन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। दोनों नेताओं की इस बैठक पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन का पहला भारत दौरा यह रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन का पहला भारत दौरा है। उम्मीद जताई जा रही है कि युद्ध खत्म करने को लेकर भी दोनों नेताओं के बीच चर्चा हो सकती है। कई कारणों से मोदी-पुतिन बैठक पर अमेरिका, चीन सहित दुनिया के तमाम देशों की पैनी नजर है। एक ओर यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोपीय देश भारत पर रूस के साथ व्यापार कम करने का दबाव बना रहे हैं। ताजा उदाहरण के रूप में ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति सामने आई है। अमेरिका भारत पर मनमाने टैरिफ लगाकर रूस पर भारत की ऊर्जा निर्भरता को कम करने का प्रयास कर रहा है। हालांकि भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने राष्ट्रीय हित और जनता के हित को सर्वोपरि रखेगा। भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग लंबे समय से मजबूत रहा है अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत ने वॉशिंगटन के साथ अपने सैन्य समझौते बनाए रखे हैं। वहीं भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग लंबे समय से मजबूत रहा है, जो पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय है। यूक्रेन युद्ध के बाद ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी रूस का खुलकर विरोध कर रहे हैं। ऐसे में भारत में होने वाली मोदी-पुतिन मुलाकात से अमेरिका और यूरोपीय देशों की बेचैनी बढ़नी तय मानी जा रही है। यह दौरा संकेत देता है कि भारत अपनी नीतियों पर स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में सक्षम है और बाहरी दबाव उसके फैसलों को प्रभावित नहीं कर सकते। अमेरिकी मीडिया में भी मोदी-पुतिन बैठक को लेकर व्यापक चर्चा उधर, रूस और चीन के घनिष्ठ संबंधों को देखते हुए बीजिंग भी इस मुलाकात पर नजर बनाए हुए है। चीनी और अमेरिकी मीडिया में भी मोदी-पुतिन बैठक को लेकर व्यापक चर्चा हो रही है। कई प्रमुख विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां इस दौरे के उद्देश्य, संभावित समझौतों और व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया पर विशेष नजर रखेंगी। अमेरिका की पूर्व अधिकारी और सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी में इंडो-पैसिफिक सिक्योरिटी प्रोग्राम की डायरेक्टर लीसा कर्टिस ने कहा, ह्लअमेरिका को यह बैठक फायदेमंद नहीं लगेगी, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर रहे हैं और यूरोप को ड्रोन घुसपैठ व साइबर-अटैक की धमकी दे रहे हैं भारत और रूस के संबंध पारंपरिक रूप से काफी मजबूत कर्टिस ने हाल ही में टैरिफ के माध्यम से भारत पर बनाए गए अमेरिकी दबाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मुलाकात वॉशिंगटन के लिए एक कूटनीतिक संदेश है- भारत को परेशान नहीं किया जाएगा और न ही वह किसी दबाव में झुकेगा। नई दिल्ली अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रखेगी। उन्होंने अमेरिका को सलाह दी कि वॉशिंगटन को इस दौरे पर अधिक प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए, क्योंकि भारत और रूस के संबंध पारंपरिक रूप से काफी मजबूत रहे हैं।

अमेरिकी दबाव का उल्लेख करते हुए कहा कि......

कर्टिस ने हाल ही में टैरिफ के माध्यम से भारत पर बनाए गए अमेरिकी दबाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मुलाकात वॉशिंगटन के लिए एक कूटनीतिक संदेश है- भारत को परेशान नहीं किया जाएगा और न ही वह किसी दबाव में झुकेगा

पुतिन की भारत यात्रा पर रार: राहुल गांधी बोले - विपक्ष को विदेशी नेताओं से मिलने नहीं देती सरकार

नई दिल्ली एजेंसी: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा से पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को विपक्ष के नेता से न मिलने का सुझाव दे रही है। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्रियों अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में विपक्ष के नेता विदेशी गणमान्य व्यक्तियों से मिलने की परंपरा रही है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि यह एक परंपरा रही है। लेकिन इन दिनों, विदेशी गणमान्य व्यक्ति आते हैं, या जब मैं विदेश जाता हूँ, तो सरकार उन्हें विपक्ष के नेता से न मिलने का सुझाव देती है। यह उनकी नीति है, और वे ऐसा हमेशा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय असुरक्षित हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे सभी के साथ संबंध हैं। विपक्ष के नेता एक अलग दृष्टिकोण रखते हैं। हम भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसा सिर्फ.सरकार ही नहीं करती। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष बाहरी लोगों से मिले। मोदी जी और विदेश मंत्रालय इस नियम का पालन नहीं करते। यह उनकी असुरक्षा है। ळअरर की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा के लिए रूस से रवाना हो गए हैं। रूसी मीडिया आउटलेट के अनुसार, रूसी प्रतिनिधिमंडल व्यापार और आर्थिक, वैज्ञानिक और तकनीकी, तथा सांस्कृतिक और मानवीय क्षेत्रों में सहयोग पर व्यापक चर्चा करेगा। वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दे भी एजेंडे में होंगे। टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान हस्ताक्षर के लिए दस अंतर-सरकारी दस्तावेज और दोनों देशों की वाणिज्यिक व गैर-वाणिज्यिक संस्थाओं के बीच 15 से अधिक समझौते और ज्ञापन तैयार किए जा रहे हैं। पुतिन 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए आज शाम राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुँचेंगे।

शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की मुश्किलें बढ़ीं, हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया इंकार

चंडीगढ़ एजेंसी: पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कथित धन शोधन मामले में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता बिक्रमजीत सिंह मजीठिया की जमानत याचिका खारिज कर दी। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के अतिरिक्त महाधिवक्ता फेरी सोफत ने कहा कि मजीठिया को अवैध धन हस्तांतरण के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था और इन्हीं लेन-देन के आधार पर अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। मजीठिया ने लंबी हिरासत का हवाला देते हुए मामले में जमानत की मांग करते हुए राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाया था। वकील फेरी सोफत ने एएनआई को बताया कि विभिन्न कंपनियों के माध्यम से अवैध धन हस्तांतरण की एसआईटी रिपोर्ट के आधार पर उन्हें 25 जून को गिरफ्तार किया गया था। मजीठिया की दलील थी कि कार्यवाही और हिरासत को लंबा खींच दिया गया है, और यह सब एक राजनीतिक प्रतिशोध है। अदालत ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आज उनकी याचिका खारिज कर दी। मनी लॉन्ड्रिंग के लेन-देन में कई फर्जी कंपनियां शामिल थीं। इन कंपनियों में साइप्रस से धन हस्तांतरित किया गया था, और इन सभी तर्कों के आधार पर, अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। पंजाब सतर्कता ब्यूरो ने 25 जून को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एक मामले में पंजाब के पूर्व मंत्री को अमृतसर स्थित उनके घर की तलाशी के बाद हिरासत में ले लिया। अगले दिन उन्हें मोहाली लाया गया, और अदालत ने उन्हें सतर्कता ब्यूरो के तहत हिरासत में भेज दिया। 8 जुलाई को, उनकी प्रारंभिक जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान, अभियोजक ने कहा कि प्रस्तुत जमानत आवेदन में कुछ त्रुटियाँ हैं, जिसके बाद अदालत ने निर्देश दिया कि आवेदन फिर से दायर किया जाए। उनकी गिरफ़्तारी के बाद, शिरोमणि अकाली दल के नेता दलजीत एस चीमा ने पंजाब सरकार द्वारा लागू किए गए सुरक्षा उपायों की आलोचना की थी और इसकी तुलना आपातकाल से की थी।

पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रमजीत सिंह मजीठिया की जमानत याचिका पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा खारिज किए जाने से उन्हें जोर का झटका लगा है, यह मामला आय से अधिक संपत्ति और अवैध धन हस्तांतरण से जुड़ा है।

बीजेपी का नया चेहरा कौन? राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव पर टिकीं सबकी निगाहें, ये नाम हैं सबसे आगे

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा ने नए अध्यक्ष को लेकर लगातार मंथन चल रहा है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव (संगठन) बीएल संतोष की बुधवार को संसद भवन में हुई बैठक ने नए पार्टी अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चा फिर से तेज कर दी। बताया जा रहा है कि बंद कमरे में लगभग एक घंटे तक चली इस चर्चा में महत्वपूर्ण संगठनात्मक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में अगले भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया, उत्तर प्रदेश के लिए नए अध्यक्ष का चयन और केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावना पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि भाजपा जनवरी तक नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति की तैयारी कर रही है। इससे पहले सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लखनऊ स्थित आवास पर भाजपा और आरएसएस के बीच समन्वय बैठक हुई। तीन घंटे चली इस बैठक में भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पर भी चर्चा हुई। माना जा रहा है

कि पार्टी इसी हफ्ते नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा कर सकती है और उसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। नड्डा 2020 से पार्टी के अध्यक्ष हैं और उन्हें 2023 में विस्तार दिया गया था। पार्टी संविधान के अनुसार, अध्यक्ष का चुनाव औपचारिक रूप से होता है, लेकिन स्थापित परंपरा यह है कि सर्वसम्मति से उम्मीदवार चुना जाता है, जो फिर निर्विरोध 'निर्वाचित' होता है। पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया था कि 14 जनवरी के बाद चुनाव प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान तथा उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य इस पद के लिए सबसे आगे माने जा रहे हैं।

गैस चैंबर बना दिल्ली- एनसीआर सांसद में विरोध प्रर्दशन के दौरान प्रियंका गांधी बोलीं- किस मौसम का मजा लें?

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली में बढ़ते हुए प्रदूषण के बीच विपक्ष का संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन जारी है। गुरुवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने एक साथ आकर प्रदूषण के मुद्दे पर सरकार को घेरा। इस दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री की कथित 'मौसम वाली टिप्पणी' पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। जब मीडिया ने प्रियंका गांधी से इस टिप्पणी को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने पलटवार करते हुए कहा "किस मौसम का मजा लें? बाहर देखें न क्या स्थिति बनी हुई है। छोटे-छोटे बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं। इनकी तरह बुजुर्ग लोग, जिनको दमा है... सांस नहीं ले पा रहे हैं।" प्रियंका गांधी ने चिंता जताई कि हर साल स्थिति बिगड़ती जा रही है, लेकिन ठोस एक्शन के बजाय सिर्फ बयानबाजी होती है। उन्होंने सरकार से तुरंत कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा, "हम सबने बोला है कि सरकार एक्शन ले, हम सब साथ खड़े हैं। ये कोई राजनीतिक मामला नहीं है कि हम सब उंगलियां उठाएं एक दूसरे पर।" सोनिया गांधी बोलीं- यह सरकार की ज़िम्मेदारी कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने भी राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण की भयानक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने संसद परिसर में विपक्षी सांसदों के साथ प्रदर्शन करते हुए कहा कि इस संकट से निपटने के लिए कुछ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने मीडिया से बात करते हुए कहा: "सरकार की ज़िम्मेदारी बनती है कि वह कुछ करे। दमा से पीड़ित छोटे-छोटे बच्चे सांस नहीं ले पा रहे हैं, मेरे जैसे बहुत सारे बुजुर्ग हैं, उनके लिए भी मुश्किल है।" सोनिया गांधी ने संसद के शीतकालीन सत्र में इस गंभीर विषय पर तुरंत चर्चा की मांग भी की।

"मैं मस्जिद की नींव रखूंगा, कोई रोक नहीं सकता", टीएमसी से निकाले गए हुमायूं कबीर का बड़ा बयान, सीएम ममता पर तीखे वार

नई दिल्ली एजेंसी: तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने गुरुवार को देबरा विधायक हुमायूं कबीर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने के बाद निलंबित कर दिया। पार्टी ने उन पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि, अब भी हुमायूं कबीर बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने को लेकर अड़े हुए है। मीडिया से बातचीत में हुमायूं कबीर ने कहा कि जब मैंने कहा था कि नींव रखेंगे, तो नींव रखेंगे। सब कुछ बाद में बताया जाएगा। 25 बीघा जमीन पर एक इस्लामिक अस्पताल, रेस्ट हाउस, होटल-कम-रेस्टोरेंट, हेलीपैड, पार्क और मेडिकल कॉलेज बनेगा। थोड़ा इंतजार करो। चिंता मत करो। आने वाले दिनों में हम ये काम पूरा कर देंगे। उन्होंने तेवर दिखाते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद में और कौन वादे करेगा? हुमायूँ कबीर को कौन रोक सकता है... मैं उन्हें चुनौती दे रहा हूँ। ममता बनर्जी पर निशाना सधाते हुए हुमायूं कबीर ने कहा कि जब वह पहली बार सत्ता में आईं, तो उन्हें 182 सीटें मिलीं। मुझे उनकी जरूरत थी। मुझे पार्टी में शामिल किया गया...मेरे साथ 12-13 सालों तक ऐसा क्यों किया गया? मुझे पार्टी में क्यों शामिल किया गया?...आज, सीएम लोगों से पैसे लेकर जगन्नाथ मंदिर बनवाती हैं, वे दुर्गा पूजा के लिए पैसे देते हैं। मुस्लिम मौलवियों को 3000 रुपये भत्ता दिया जाता है; सभी भत्तों को मिलाकर 54,000 रुपये दिए जा रहे हैं। जबकि समितियों को हर साल 1,10,000 रुपये दिए जाते हैं।

वह आरएसएस का काम कर रही हैं। छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। तृणमूल के वरिष्ठ नेता फिरहाद हाकिम ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि कबीर का व्यवहार ऐसे समय में घोर अनुशासनहीनता है, जब पार्टी राज्य में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए काम कर रही है। मुर्शिदाबाद के नेता अखरुज्जमां और नियामत शेख की मौजूदगी में हाकिम ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मंजूरी के बाद कबीर को निलंबित किया गया है।

अमेरिका ने 2009 से अब तक 18,822 भारतीयों को भेजा भारत, जयशंकर ने राज्यसभा में दी चौंकाने वाली जानकारी, जानिए पूरा मामला

नई दिल्ली एजेंसी: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि अमेरिका ने वर्ष 2009 से अब तक कुल 18,822 भारतीय नागरिकों को निर्वासित किया है, जिनमें जनवरी 2025 से अब तक निर्वासित किए गए 3,258 भारतीय शामिल हैं। उच्च सदन में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए जयशंकर ने कहा कि मानव तस्करी के मामलों की जांच राज्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भी की है, जिनमें पंजाब में सर्वाधिक मामले दर्ज हुए हैं। उन्होंने एक लिखित उत्तर में बताया, 2009 से अब तक कुल 18,822 भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजा गया है। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2023 में 617 भारतीयों को और 2024 में 1,368 भारतीयों को अमेरिका से निर्वासित किया गया। उन्होंने कहा ह्यह्यजनवरी 2025 से अब तक कुल 3,258 भारतीय नागरिकों को अमेरिका ने भारत निर्वासित किया है। इनमें से 2,032 भारतीय (लगभग 62.3 प्रतिशत) नियमित वाणिज्यिक उड़ानों से और शेष 1,226 भारतीय (37.6 प्रतिशत) अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) या सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा(सीबीपी) द्वारा संचालित चार्टर उड़ानों से लौटे हैं। पूरक प्रश्नों के उत्तर में जयशंकर ने बताया कि एनआईए ने कुछ वर्ष पहले मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ की स्थापना की थी, जिसे मानव तस्करी के मामलों की जांच का प्राधिकार प्राप्त है। राज्यों ने भी इस प्रकार के मामलों में जांच शुरू की है। उन्होंने बतायाह्यह्यएनआईए ने मानव तस्करी के 27 मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की है, जिनमें 169 गिरफ्तारियां हुई हैं और 132 व्यक्तियों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किए गए हैं। एनआईए ने हरियाणा और पंजाब में सात अगस्त को दो प्रमुख तस्करों को और हिमाचल प्रदेश में दो अक्टूबर को दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया। विदेश मंत्री ने कहा कि राज्यों में पंजाब में मानव तस्करी के सर्वाधिक मामले हैं। ह्यह्यपंजाब सरकार ने एसआईटी और तथ्य-अन्वेषण समिति गठित की है। उनकी ओर से मिली जानकारी के अनुसार, 58 अवैध ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ 25 प्राथमिकी दर्ज हुई हैं और 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जयशंकर ने कहा, हरियाणा राज्य में 2,325 मामले और 44 प्राथमिकी दर्ज हुई हैं। इन मामलों में 27 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गुजरात राज्य ने भी एक महत्वपूर्ण तस्कर को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय, अमेरिकी आईसीई/सीबीपी की निर्वासन प्रक्रिया के दौरान भारतीय नागरिकों के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने हेतु अमेरिकी पक्ष के साथ निरंतर बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने विशेषकर महिलाओं और बच्चों के लिए हथकड़ी-बेड़ियों के उपयोग को लेकर अपनी कड़ी आपत्ति अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष दर्ज कराई है। जयशंकर ने कहा पांच फरवरी की निर्वासन उड़ान के बाद से महिलाओं और बच्चों को बेड़ियां पहनाने की कोई घटना मंत्रालय के संज्ञान में नहीं आई है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, 19 नवम्बर 2012 से आईसीई की मानक संचालन प्रक्रिया के तहत नियंत्रण नीति लागू है। विदेश मंत्री ने बताया उनका कहना है कि उड़ान में सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसी नीति अपनाई गई है।

विदेश मंत्री जयशंकर के अनुसार, 2009 से अब तक अमेरिका ने 18,822 भारतीयों को निर्वासित किया है, जिसमें 2025 में 3,258 शामिल हैं, इस मुद्दे पर भारत लगातार अमेरिकी पक्ष से बातचीत कर रहा है। मानव तस्करी के मामलों में एनआईए और राज्यों की जांच में पंजाब में सर्वाधिक मामले सामने आए हैं

संपादकीय

जी-20 की प्रासंगिकता काफी घट चुकी

जी-20 की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न लगातार गहरा रहे हैं। इस मंच के साझा वक्तव्य हर गुजरते वर्ष के साथ अपना वजन गंवाते चले गए हैं। ट्रंप काल में अमेरिका के बदले नजरिए ने इस प्रक्रिया को और तेजी दे दी है। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए जी-20 शिखर सम्मेलन से संकेत देने की कोशिश हुई कि अमेरिका के बिना भी दुनिया चल सकती है। दक्षिण अफ्रीका में श्वेत समुदाय पर अत्याचार का आरोप लगाते हुए डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस समिट का बहिष्कार किया। उसी क्रम में उसने दो टूक कहा कि इस सम्मेलन में कोई साझा वक्तव्य जारी नहीं होना चाहिए। फिर भी बाकी सदस्य देशों के प्रतिनिधि ना सिर्फ जोहान्सबर्ग गए, बल्कि उन्होंने साझा वक्तव्य भी जारी किया। उधर दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिका के जूनियर प्रतिनिधि को अगले वर्ष की मेजबानी सौंपने से इनकार कर दिया। कहा कि यह औपचारिकता कम-से-कम विदेश मंत्री स्तर पर निभाई जाएगी।

बहरहाल, जोहान्सबर्ग में जो हुआ, उसका प्रतीकात्मक महत्त्व ही है। वरना, एक तो जी-20 की प्रासंगिकता काफी घट चुकी है, दूसरे अमेरिकी उपस्थिति के बिना इसका रहा-सहा महत्त्व भी संदिग्ध हो जाता है। शिखर सम्मेलन स्तर पर जी-20 का आयोजन 2008 की महामंदी के बाद शुरू हुआ था। तब मकसद साझा प्रयास से विश्व अर्थव्यवस्था को संभालना था। तब दुनिया एक ध्रुवीय थी, जिसके तहत लागू श्रम विभाजन में अमेरिका स्थित संस्थाओं ने विभिन्न देशों की भूमिका तय कर रखी थी। मगर उस मंदी ने तत्कालीन समीकरणों को स्थायी रूप से बदल दिया। धीरे-धीरे बनती गई बहु-ध्रुवीय दुनिया में जी-20 के मंच पर आम सहमति बनाना कठिन होता गया है। यूक्रेन युद्ध, अमेरिका- चीन के बीच बढ़े टकराव, गजा में मानव-संहार, और विभिन्न क्षेत्रों में उभरे हॉट-स्पॉट्स के सिलसिले में यह मंच कोई सार्थक भूमिका नहीं निभा पाया है। ट्रंप काल में अमेरिका के बदले नजरिए से ऐसे बहुपक्षीय मंचों की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न और गहरे हो गए हैं। यही कारण है कि जी-20 के साझा वक्तव्य हर गुजरते वर्ष के साथ अपना वजन गंवाते जा रहे हैं। यह सिलसिला जोहोन्सबर्ग में और आगे बढ़ा। अगले वर्ष मयामी में जब अमेरिका इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा, तब भी कहानी इससे बहुत अलग नहीं होगी। ट्रंप काल में अमेरिका अपनी विश्व भूमिका को आमूल रूप से बदल रहा है। उसमें जी-20 जैसे मंच उसे सहायक नहीं लगते, तो इस हकीकत को समझा जा सकता है।

चिंतन-मनन

अपना दृष्टिकोण

एक कन्या ने अपने पिता से कहा, मैं किसी पुरातत्वविद् से विवाह करना चाहती हूं। पिता ने पूछा, क्यों? कन्या बोली, पिताजी! पुरातत्वविद् ही एक ऐसा व्यक्ति होता है जो पुरानी चीजों को ज्यादा मूल्य देता है। मैं भी ज्यों-ज्यों पुरानी होती जाऊंगी, बूढ़ी होती जाऊंगी, मेरा मूल्य भी बढ़ता जाएगा। वह मेरे से नफरत भी नहीं करेगा। पुरातत्वविद् यह नहीं देखता कि वस्तु कितनी सुन्दर है, कितनी असुन्दर है। वह इतना देखता है कि वस्तु कितनी पुरानी है। यह उसके मूल्यांकन की दृष्टि होती है।

कहने का अर्थ यह कि मूल्यांकन का अपना-अपना दृष्टिकोण होता है। मूल्यांकन का हमारा भी एक दृष्टिकोण है। अध्यात्म की साधना करने वाले व्यक्ति का अपना एक दृष्टिकोण होता है मूल्यांकन का और वह उसका स्वयं का दृष्टिकोण होता है, किसी से उधार लिया हुआ नहीं। उसका दृष्टिकोण बदले, चरित्र बदले। वह पुराना ही न रहे, नया बने। पुरानेपन का आग्रह छूटे। साधना में पुरातत्वविद् की दृष्टि काम नहीं देती। वहां नयेपन का आयाम खुलता है और सदा नया बना रहने की आकांक्षा बनी रहती है।

प्रत्येक समझदार आदमी का प्रयत्न सप्रयोजन होता है। ध्यान की साधना करने वाले व्यक्ति का साध्य है- रूपान्तरण दृष्टि का रूपान्तरण, चरित्र का रूपान्तरण। अहं को अर्हम् में बदलना। अहं और अर्हम् में केवल एक मात्रा का अन्तर है। साधक अहं को छोड़कर अर्हम् बनना चाहता है। एक मात्रा का अर्जन करना है। अहम् पर ऊर्ध्व र लगे, ऐसा प्रयत्न करना है। तब साधना सफल हो जाती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

स्वयंसेवा वह सॉफ्टवेयर जो दुनिया को क्रैश होने से बचाता है

दिलीप कुमार पाठक

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हर साल 5 दिसंबर को स्थापित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस स्वयंसेवकों के महत्वपूर्ण, निस्वार्थ योगदान को स्वीकार करने और उसे बढ़ावा देने का एक वैश्विक अवसर है।

समाज में स्वयंसेवा की आवश्यकता और महत्व से हम सभी भली-भांति परिचित हैं। जब कोरोना महामारी, विनाशकारी बाढ़, भूकंप जैसी भीषण आपदाएं आती हैं, तब सरकारी तंत्र के साथ-साथ स्वयंसेवक ही तत्काल राहत की बागडोर संभालते हैं। वे अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर समाज की सामूहिक ज़िम्मेदारी का निर्वहन करते हैं, क्योंकि कोई भी सरकार अकेले हर चुनौती का सामना प्रभावी ढंग से नहीं कर सकती। स्वयंसेवा केवल संकटकालीन प्रतिक्रिया तक ही सीमित नहीं है; यह सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है, हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाती है और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह नागरिकों में ज़िम्मेदारी की भावना जागृत करती है और मानवीय एकजुटता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल स्वयंसेवा के माध्यम से समग्र मानवता की बेहतरी के लिए बदलाव लाने की सामूहिक क्षमता की एक याद दिलाती है। यह विशेष दिन उन अनगिनत व्यक्तियों को सम्मानित करता है जो निस्वार्थ सेवा के लिए अपना बहुमूल्य समय समाज एवं मानवता के लिए समर्पित करते हैं। कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, वे अक्सर बिना किसी प्रचार या पहचान के अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रखते हैं। ये सभी स्वयंसेवक समाज के उत्थान के लिए अथक प्रयास करते हैं, और यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश स्वयंसेवक अवैतनिक होते हैं, मतलब उन्हें इसके लिए कोई वेतन नहीं मिलता, बस समाज प्रेम का एक जज्बा होता है'

उनके कार्यों में विविधता शामिल है, जैसे जानवरों को बचाना, बुजुर्गों की सहायता करना, गरीबों की मदद करना और वंचितों को शिक्षित करना। विश्व स्तर पर, एक अरब से भी अधिक लोग अपने समुदायों को बेहतर बनाने के लिए अपना समय, प्रतिभा और ज्ञान का योगदान देते हैं। स्वयंसेवक समाज के हर स्तर और क्षेत्र में मौजूद हैं – वे वंचित बच्चों और वयस्कों को व्यावहारिक देखभाल प्रदान करने से लेकर जटिल तकनीकी और कानूनी मुद्दों पर विशेषज्ञ सलाह देने तक, हर तरह से मदद करते हैं। हर व्यक्ति अपने साथ कुछ अनूठा कौशल और अनुभव लेकर आता है, जिससे सामूहिक प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव ने इस विशेष दिन पर स्वयंसेवकों के अमूल्य योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा कि वे विकास चुनौतियों और आम भलाई के लिए ठोस और व्यावहारिक समाधान लेकर आते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा वैश्विक स्तर पर स्वयंसेवकों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को औपचारिक रूप से मान्यता देने वाली पहली संस्था थी। मानवीय प्रयासों और सतत आर्थिक व सामाजिक विकास में स्वयंसेवा की शक्ति को स्वीकार करते हुए, महासभा ने 17 दिसंबर 1985 को एक ऐतिहासिक प्रस्ताव 40/212 अपनाया। इस प्रस्ताव के परिणामस्वरूप, हर साल 5 दिसंबर को आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के रूप में नामित किया गया। यह दिवस स्वयंसेवकों से जुड़े संगठनों और व्यक्तिगत स्वयंसेवकों को स्वयंसेवा के महत्व को बढ़ावा देने, सरकारों को इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के स्वयंसेवकों के समर्पण को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। सरकारों, नागरिक समाज संगठनों और संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक कार्यक्रम जैसे संस्थानों ने स्वयंसेवी कार्य के महत्व के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य दुनिया भर के लाखों स्वयंसेवकों को श्रद्धांजलि देना है, जो गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपना बहुमूल्य समय और प्रयास स्वेच्छा से समर्पित करते हैं। नतीजतन, आज दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग सक्रिय रूप से विभिन्न स्तरों (स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) पर स्वेच्छा से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं, जिससे समुदायों में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

स्वयं सेवा से जुड़े लोगों का उद्देश्य बहुत विशाल है, जो बेहतर दुनिया के लिए संकल्पित है, जैसे गरीबी समाप्त करना, सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा स्थापित करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को मतदान का अधिकार प्रदान करना, शिशु मृत्यु दर को कम करना, मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, एचआईवी/एड्स, मलेरिया, डेंगू और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रसार को रोकना, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना। हम सभी को उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करना चाहिए और उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। उनका काम दूसरों को खुश करता है और हमें सुरक्षित रखता है। हम इस दिन इन सामाजिक चेतना सम्पन्न एवं समाज के लिए संकल्पित लोगों का सम्मान करते हैं।

ओटीटी की अश्लीलता - साहित्य परिषद् व सर्वोच्च न्यायालय गंभीर

डॉ. प्रवीण दाताराम

नवम्बर माह में विमर्श क्षेत्र में दो बड़ी घटनाएँ घटी। दोनों अति महत्वपूर्ण हैं और दोनों ही में गहन अंतरसंबंध है।

घटना एक - नवंबर प्रारंभ मे अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने अपने 17 वें राष्ट्रीय अधिवेशन में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रही अश्लील, संस्कृति विरोधी सामग्री के विरुद्ध अपनी चिंता प्रकट की और इसके विरुद्ध एक प्रस्ताव पारित कर राष्ट्र के शासन, प्रशासन, जनता के समक्ष अपनी चिंता को प्रकट किया है। अभासाप अर्थात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का संवैचारिक संगठन, अखिल भारतीय साहित्य परिषद्। यह संगठन भारत में जन्मी सभी भाषा, बोलियों, लिपियों के सरंक्षण, संवर्धन, संवरण का कार्य करता है। अपने षष्ठिपूर्ति वर्ष की ओर बढ़ रहे इस संगठन का ताप, व्याप और आलाप समूचे विश्व में देखा-सुना जा सकता है।

घटना दो - नवम्बर के अंत में ही, देश के उच्चतम न्यायालय ने भी भारतीय ओटीटी नियमन, इस पर प्रसारित हो रही अश्लीलता व मूल्यहीनता पर चिंता प्रकट की है।

भारतीय समाज जैसे संज्ञावान, प्रज्ञावान समाज में ऐसी स्थिति बनी ही क्यों? इस प्रश्न का उत्तर स्वयं समाज को खोजना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ के संवैचारिक संगठन समाज की किसी भी समस्या के सदंर्भ में एक सीमा तक चुप ही रहते हैं किंतु समाज में 'असंगत घटनाओं' के संदर्भ में अदृश्य रूप से विमर्श अवश्य जागृत करते रहते हैं। जब इस विमर्श से भी काम नहीं चलता एवं समाज जागृत नहीं होता है तब ही संघ या संघ के संवैचारिक संगठन सार्वजनिक रूप से किसी कार्य के सूत्रों को अपने हाथों में लेते हैं। ऐसी स्थिति में भी संघ सूत्रधार तो रहता है किंतु उसे नेपथ्य में ही रहना रुचिकर लगता है। इस हेतु से ही साहित्य परिषद् ने ओटीटी की अश्लीलता, गेमिंग एप्स के घातक परिणामों के प्रति समाज जागरण का यह कार्य प्रारंभ किया है।

ये दोनों ही घटनाएँ एक स्वस्थ, संपन्न, व समृद्ध राष्ट्र हेतु एक शुभ लक्षण हैं। यद्यपि इस प्रकार का प्रसारण प्रारंभ ही नहीं होना चाहिए था। अब शीघ्र ही बंद हो ही जाना चाहिए।

साहित्य परिषद् ने समाज में भौतिकता वादी शक्तियों, बाजारवाद, ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की नकारात्मकता, समाज विरोधी स्वरूप, जीवन मूल्य विहीन प्रसारण आदि पर अपनी चिंता, राष्ट्र के समक्ष प्रकट की है।

साहित्य परिषद् ने मनोरंजन के नाम पर प्रसारित इस गंदगी को अत्यंत लज्जास्पद एवं निंदनीय बताया है। परिषद् ने चेताया है कि, ये सामग्री युवावर्ग और बालमन व मस्तिष्क में उग्रता, अश्लीलता, विकृत यौनाचार और नशाखोरी जैसे दुराचारों को महिमा मंडित कर उन्हें अधोपतन की ओर अग्रसित कर रही है। इन माध्यमों में प्रदर्शित अधिकांश दृश्य व सामग्री नकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली होती है। साहित्य परिषद् ने ओटीटी के माध्यम से चल रहे गेमिंग एप्स और उससे बढ़ रही आत्महत्या की प्रवृत्ति को भी राष्ट्र के संज्ञान में लाया है। परिषद् ने अपने पारित प्रस्ताव में ओटीटी पर प्रसारित होने वाली अधिकांश सामग्री को भारतीय जीवन मूल्यों पर आघात करने वाली, राष्ट्र के स्वरूप व छवि को विकृत करके प्रस्तुत करने वाली सामग्री बताते हुए अपनी चिंता प्रकट की है। परिषद् ने कहा है कि ऐसी सामग्री का अनियंत्रित प्रसारण समाज एवं राष्ट्र जीवन के लिए अत्यधिक घातक है।

विगत कुछ वर्षों में भारत राष्ट्र में 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के नाम पर कुछ भी वितंडा उत्पन्न किए जा रहे हैं। 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के पश्चिम कुबोध ने या यूँ कहे कि इसकी 'पश्चिमी प्रेत छाया'' ने भारत में अभिव्यक्ति के अर्थों को पुनर्परिभाषित की आवश्यकता इंगित कर दी है। अब समाज इस अभिव्यक्ति को पुनर्परिभाषित करे या यूँ ही ओटीटी पर अश्लीलता व ऑनलाइन गेमिंग से बर्बाद होती अपनी पीढ़ी के प्रति आँखे मूँदे रहे; यही दो मार्ग हैं। एक मार्ग चुनना है, विकास या विनाश; यही युगधर्म है।

इस अनुरूप साहित्य परिषद् ने कहा है - 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज की गरिमा और नैतिकता को नष्ट करने की छूट दी जाए। स्वतंत्रता और अनुशासन, सृजन और मयार्दा, ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं।' साहित्य परिषद् ने अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में आगामी तीन वर्षों हेतु 'आत्मबोध से विश्वबोध' पर चिंतन, मनन, अध्ययन का वैचारिक मार्ग निश्चित किया है। आत्मबोध करते हुए ही यह विकृति ध्यान में आती है। भारत राष्ट्र की, जन-मन की विश्वबोध क्षमता के प्रकटीकरण, विश्वगुरु बनने के मार्ग पर अग्रसर होने के मध्य निश्चित ही यह चिंतनीय प्रस्ताव और यह मांगपत्र स्वयं में एक प्रकाशस्तम्भ की भाँति समाज का मार्ग आलोकित कर रहा है।

साहित्य परिषद् ने भारत सरकार से, राज्य सरकारों से माँग की है कि

1. ओ टी टी प्लेटफॉर्म एवं गेमिंग एप्पस पर प्रसारित होने वाली प्रत्येक सामग्री के परीक्षण, नियमन, और वर्गीकरण हेतु शासन द्वारा एक सशक्त, स्वायत्त विधायी नियामक संस्था का गठन किया जाए।
2. डिजिटल माध्यमों में प्रस्तुत किसी भी दृश्य संवाद याविवार को भारत की संविधानिक गरिमा, धार्मिक आस्था, सातकृतिक मूल्यों या सामाजिक मयार्दा और सनातन परंपरा को आहत करते हों, उन पर कड़ी निगरानी रखी जाए।
3. किशोरों और युवाओं के लिए उपयुक्त सामग्री के आयु आधारित नियंत्रण तंत्र को अनिवार्य बनाया जाए।
4. जो मंच या माध्यम अश्रीलता, हिंसा, नशाखोरी या विकृत जीवन मूल्यों का प्रचार करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कानूनी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।
5. भारतीय भाषाओं और संस्कृति के संवर्द्धन हेतु भारतीय मूल्यों पर आधारित वैकल्पिक मनोरंजन माध्यमों को प्रोत्साहित किया जाए।

इधर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने यह प्रस्ताव पारित किया और उधर संयोगवश देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस संदर्भ में अपनी गहन चिंता का सार्वजनिक प्रकटीकरण कर दिया है।

मान. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने पॉडकास्टर रणवीर अल्लाहबादिया और अन्य द्वारा इंडियाज गॉट लेटेंट शो में कथित अश्लील कंटेंट से जुड़ी एफआईआर के संदर्भ में चल रहे केस के संदर्भ में यह बातें कहीं है।

न्यायालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री को लेकर चिंता प्रकट करते हुए सरकार से इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय बनाने या वर्तमान नियमों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और अश्लील सामग्री के लिए हमेशा पहले से चेतावनी दी जानी चाहिए। मान. सर्वोच्च न्यायाधीश ने कहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक अमूल्य अधिकार है किंतु यह विकृति का कारण नहीं बन सकती।

चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद, भारत में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित होंगे

21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

भारत में अभी तक लागू 29 श्रम कानूनों में से कुछ तो देश की आजादी से पूर्व एवं आजादी के तुरंत बाद के खंडकाल (वर्ष 1930 से 1950 के बीच) में बनाए गए थे। विश्व के अन्य देशों में पुराने श्रम कानूनों में पर्याप्त बदलाव कर वैश्विक स्तर पर हुए आर्थिक बदलावों के अनुरूप बनाकर नए श्रम कानूनों को लागू किए हुए एक अरसा हो चुका है परंतु भारत में अभी भी 29 केंद्रीय श्रम कानूनों का अनुपालन किया जा रहा था, जो अपने आप में बिखरे हुए हैं, पेचीदा हैं, एवं अति पुराने नियमों के अंतर्गत चलायमान रहे हैं, इससे अंततः भारत में इतने लम्बे समय तक, आजादी के 75 वर्षों के बाद भी, श्रमिकों के साथ अन्याय किया जाता रहा है। इससे भारत में औद्योगिक प्रगति भी एक तरह से बाधित ही होती रही है और आर्थिक प्रगति को भी कहीं न कहीं विपरीत रूप से प्रभावित करती रही है। उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद औपनिवेशिक सोच को पीछे छोड़कर नए भारत की नींव रखने का प्रयास किय जा रहा है। साथ ही, आधुनिक वैश्विक प्रवाह के साथ तालमेल बिठाने की लंबे समय से चली आ रही जरूरत को पूरा किया जा रहा है। उक्त चार संहिताएं मिलकर मजदूरों और कंपनियों दोनों को मजबूत बनाएंगे एवं एक ऐसा श्रमबल तैयार करेंगे जो सुरक्षित, उत्पादक और काम की बदलती हुई दुनिया के साथ तालमेल बिठाएंगे, इससे भारत को अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता साफ होगा।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक अनुसंधान प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत में उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद बेरोजगारी की दर में कमी होगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे, बढ़ी संख्या में अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा श्रमबल औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होगा और इससे उनकी मजदूरी की दर में वृद्धि होगी, श्रमिकों की बचत की क्षमता में वृद्धि होगी एवं उनकी खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। इससे कुल मिलाकर देश में विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होगी। उक्त अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, वर्तमान में, भारत में लगभग 44 करोड़ श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, इनमें से 31 करोड़ श्रमिक भारत के ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। उक्त श्रमिकों में से यदि केवल 20 प्रतिशत श्रमिक ही अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित हो जाएं तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक औपचारिक क्षेत्र में बढ़ जाएंगे, जिससे उन्हें बढ़ी हुई दर से मजदूरी एवं सेवा निवृत्ति के समस्त लाभ मिलना प्रारम्भ हो जाएंगे। इससे अंततः भारत में कुल कार्यरत श्रमिकों में से 80-85 प्रतिशत श्रमिक भारत की सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल हो जाएंगे। एक अन्य अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, आज भारत में कुल श्रमिकों का लगभग 60.4 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है, उक्त वर्णित चार श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद अनौपचारिक क्षेत्र में से लगभग 15.1 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में शामिल हो जाने वाला है। इस प्रकार, औपचारिक क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमबल की संख्या बढ़कर 75.5 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय स्टेट बैंक के उक्त वर्णित अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, भारत में चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद आगे आने वाले समय में बेरोजगारी की दर में भी लगभग 1.3 प्रतिशत तक की कमी दर्ज हो सकती है क्योंकि देश में रोजगार के लगभग 77 लाख नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इससे, कार्य कर सकने वाली उम्र के श्रमिकों की संख्या भी 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 70.7 प्रतिशत तक पहुंचने की सम्भावना है। श्रमिकों के अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होने के कारण श्रमिकों की उपभोग क्षमता में भी वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस संदर्भ किए गए अनुसंधान के अनुसार, प्रत्येक श्रमिक की प्रतिदिन लगभग 66 रुपए की अतिरिक्त खर्च करने की क्षमता में वृद्धि दर्ज होगी और इससे कुल मिलाकर पूरे देश में लगभग 75,000 करोड़ रुपए की विभिन्न उत्पादों की अतिरिक्त मांग निर्मित होगी।

भारत में लागू की गई चार श्रम संहिताओं के बाद समस्त कामगारों को नियुक्ति पत्र प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि श्रमिकों को औपचारिक क्षेत्र में मिलने वाले समस्त लाभ मिल सकें। साथ ही, रोजगार के सम्बंध में लिखित में सबूत उत्पन्न होने से पारदर्शिता तथा श्रमिकों को रोजगार की गारंटी एवं पक्का रोजगार उपलब्ध होगा। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों सहित समस्त कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ उपलब्ध होंगे। सभी कामगारों को पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलने प्रारम्भ होंगे। वर्तमान में श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग न्यूनतम मजदूरी की सीमा से बाहर रखा जा रहा था क्योंकि न्यूनतम मजदूरी केवल अधिसूचित उद्योगों/रोजगार पर ही लागू थी। परंतु, अब वेतन संहिता, 2019 के अंतर्गत, समस्त कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन भुगतान पाने का कानूनी अधिकार प्रदान कर दिया गया है। न्यूनतम मजदूरी एवं समय पर वेतन के भुगतान से श्रमिकों की वित्तीय सुरक्षा को बेहतर किया जा सकेगा। साथ ही, अब नियोक्ताओं के लिए 40 वर्ष से अधिक की आयु के समस्त कर्मचारियों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच कराना आवश्यक कर दिया गया है। समय पर निवारक स्वास्थ्य सेवा संस्कृति को विकसित किया जाना ही चाहिए। महिला कार्यबल को सभी स्थानों पर समस्त प्रकार के काम करने की इजाजत दे दी गई है, लेकिन इसके लिए सबंधित मातृशक्ति की सहमति होना अनिवार्य किया गया है एवं मातृशक्ति के आवश्यक सुरक्षा उपाय भी किए जाना आवश्यक होगा। साथ ही, कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी औपचारिक क्षेत्र में शामिल होने वाले श्रमिकों को प्रदान किए गए हैं।

आज भारतीय अर्थव्यवस्था, पूरे विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच, सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गई है और भारत आज प्रयासरत है कि देश में बड़े आकार के उद्योगों का जाल फैले ताकि भारत के विकास में उद्योग क्षेत्र का योगदान भी बढ़े। उद्योग क्षेत्र में सामान्यतः श्रमिकों का शोषण किए जाने की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। अतः श्रमिकों के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से एवं देश में उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। भारत के श्रमिकों को आज वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में लागू मानदंडो पर अपने आप को खरा उतारना होगा। इसके बाद ही भारत में निर्मित उत्पाद विश्व के अन्य देशों में निर्मित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कुल मिलाकर भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने में श्रमिकों की अहम भूमिका रहने वाली है अतः उनके हितों की देखरेख भी उचित तरीके से किया जाना आवश्यक है। चार श्रम संहिताएं इस दृष्टि से अपनी सार्थक भूमिका निभाएंगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है। विस्तारित सामाजिक सुरक्षा, मजबूत सुरक्षा और अधिकारों की राष्ट्रव्यापी पोर्टेबिलिटी के साथ, संहिता श्रमिकों, विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, असंगठित, गिग और प्रवासी श्रमिकों को श्रम शासन के केंद्र में मजबूती से रखती है। अनुपालन के बोझ को कम करके और लचीली, आधुनिक कार्य प्रणाली को सक्षम करके, यह संहिता रोजगार, कौशल और उद्योग विकास को बढ़ावा देती है और एक श्रमिक समर्थक, महिला समर्थक, युवा समर्थक और रोजगार समर्थक श्रम-इकोसिस-?टम की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

जिलाधिकारी ने 09 लेयर टेनिस ग्राउंड का विधिवत पूजा अर्चना कर किया भूमि पूजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा मालीखेड़ा स्पोर्ट्स स्टेडियम में खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए मंडल का प्रथम 09 लेयर टेनिस कोर्ट जो 7200 वर्गमीटर में तैयार होने वाले इस ग्राउंड में करीब 19.22 लाख रुपये खर्च से बनने वाले ग्राउंड का विधिवत पूजा अर्चना कर मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर ईंट रखी। उन्होनें कहा कि युवा प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने के लिये कोर्ट बनने से जिले के युवा टेनिस खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास के अधिक अवसर मिलते हैं। उन्होनें कहा कि खेलने से शारीरिक फिटनेस बढ़ती है, ह्दय स्वास्थ्य बेहतर होता है और तनाव कम होता है, जिससे खिलाड़ियों का समग्र स्वास्थ्य अच्छा रहता है और ऐसी सुविधाओं की उपलब्धता जिले में खेल गतिविधियों के प्रति रुचि जगाती है, जिससे अधिक लोग, खासकर युवा, सक्रिय जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। उन्होने कहा कि खेल सुविधाएं लोगों को एक साथ लाती हैं, जिससे समुदाय में सामाजिक मेलजोल और टीम भावना को बढ़ावा मिलता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र, जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकांत त्यागी, अर्थ सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार, पी0डब्लू 0डी0 के गिरीश कुमार, मुकेश कुमार, जिला ऑलंपिक सघ के सचिव डॉ एम0पी0शर्मा, अमन लिट्ट सहित संबंधित उपस्थित रहे।

आंगनबाडी सहायिकाओं के रिक्त भर्ती तिथि बढ़ाई गई

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञान प्रकाश तिवारी ने जानकारी देते हुए कहा कि जनपद अमरोहा के शहरी/ग्रामीण परिक्षेत्रों में संचालित बाल विकास परियोजना अमरोहा शहर, अमरोहा देहात, गंगेश्वरी, गजरौला, हसनपुर, धनौरा व जोया में आंगनबाडी सहायिकाओं के रिक्त 423 पदों पर सीधी भर्ती प्रकिया के तहत चयन हेतु विभागीय वेबसाईट http://upanganw adibharti.in पर पात्र महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमन्त्रित किये जाने के लिए इस कार्यालय के पत्र संख्या सी-1198 दिनांक 13 नवम्बर, 2025 के द्वारा दैनिक समाचार पत्रों में दिनांक 14 नवंबर.2025 को विज्ञप्ति प्रकाशित की गयी। जिसकी अन्तिम तिथि 04 दिसम्बर, 2025 के मध्य रात्रि 12:00 बजे तक थी लेकिन अध्यक्ष आंगनबाड़ी चयन समिति एवं जिलाधिकारी अमरोहा के अनुमोदन/निदेर्शानुसार तत्सम्बन्धित पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन किये जाने की समय-सीमा 14 दिसम्बर, 2025 तक बढ़ाई जाती है।

पुलिस अधीक्षक ने महिला बीट आरक्षियों को नगद पुरस्कार देकर किया पुरस्कृत

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा बीट कार्य प्रणाली को और अधिक सुदृढ करने हेतु प्रतिदिन पुलिस कार्यालय में प्रत्येक थाने से एक-एक बीट आरक्षी को बुलाकर उनकी बीट बुक चैक की जा रही है इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थानों से आये बीट आरक्षियों की बीट बुक चेक कर बीट प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए नियमित रूप से अपनी बीट मे भ्रमण करने व बीट बुक को अद्यावधिक रखने हेतु निर्देश दिए गए तथा उत्कृष्ट बीट बुक का रख-रखाव व बीट में बेहतर कार्य करने वाली महिला बीट आरक्षियों 1.रुबी नैन थाना रहरा 2.ज्योति थाना अमरोहा नगर 3.बबली थाना बछरायूं को 500-500/- रुपये के नकद पुरस्कार से पुरस्कृत कर उत्साहवर्धन किया गया।

अमरोहा नेशनल हाईवे 9 पर खड़े ट्रक में घुसी कार,कार सवार 4 MBBS डॉक्टरों की मौत

हादसा इतना भयानक, कि टक्कर लगते ही कार हुई चकनाचूर

अमरोहा (सब का सपना):- नेशनल हाईवे 9 पर एक तेज रफ्तार कर हाईवे पर खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसा होने के बाद कार में सवार 4 एमबीबीएस डॉक्टरों की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा खड़े ट्रक में घुस गया। हादसा होते ही मौके पर भगदड़ मच गई स्थानीय लोग घटनास्थल की ओर दौड़ने लगे। जिन्होंने मौके पर पहुंचकर बमुश्किल ट्रैक्टर से कार को खींचकर अलग किया फिर गाड़ी काट कर शवों को बाहर निकाला। बता दें कि यह पूरी घटना बुधवार की देर रात की बताई जा रही है जहां नेशनल हाईवे 9 स्थित गांव अतरासी के पास कार सवार चार एमबीबीएस डॉक्टर गजरौला क्षेत्र स्थित श्री वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी लौट रहे थे।यूनिवर्सिटी से लगभग 7 किमी दूर अतरासी गांव के पास यह हादसा हुआ। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिल्ली लखनऊ नेशनल हाईवे पर फोम के गद्दों से भरा ट्रक खड़ा हुआ था, बुधवार की रात करीब 10:30 बजे तेज रफ्तार कार डीसीएम में घुस गई, हादसे में वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी में इंटर्नशिप कर रहे चार डॉक्टर अर्णव चक्रवर्ती (कोलकाता)आयुष शर्मा (दिल्ली)श्रेष्ठ पंचोली (दिल्ली) एवं सप्त ऋषि (त्रिपुरा) की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा इतना भयानक था की टक्कर लगते ही कार के परखच्चे उड़ गए और चकनाचूर हो गई। एक्सीडेंट होते ही मौके पर तेज धमाका सुनकर आसपास के लोग मौके की तरफ दौड़कर पहुंचे। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई, कार सवार सभी की पहचान आधार कार्ड से हुई, इसके बाद यूनिवर्सिटी प्रबंधन को सूचना दी गई ,मौके पर पहुंचे यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने परिजनों को सूचना दी। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को गैस कटर से काटकर शवों को बाहर निकाला शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो गए थे। मृतक 2020 बैच के छात्र थे जो एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी करके इंटर्नशिप कर रहे थे। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया है कि शवों को मोर्चरी के लिए भेज दिया गया है, परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम किया जाएगा। इसके अलावा हादसे के बाद डॉक्टर की कार का एक वीडियो भी सामने आया है वीडियो में दिख रहा है कि कार में आगे के दोनों एयरबैग खुले थे ,चारों तरफ सिर्फ खून ही खून दिख रहा था, आगे की दोनों सीट टूट गई थी पीछे की सीट पर भी खून फैला हुआ था डीसीएम में पीछे से टक्कर लगने की वजह से कार की छत पिचक गई स्टेरिंग की व्हील भी टूटी हुई थी। चारों डॉक्टर अपने परिवार के एकलौते बेटे थे जानकारी के मुताबिक आयुष के पिता दिल्ली पुलिस में एएसआई के पद पर तैनात है श्रेष्ठ की बड़ी बहन शैलजा की शादी हो चुकी है जबकि छोटी बहन सुमेधा एमबीबीएस के बाद मथुरा के केडी हॉस्पिटल में इंटर्नशिप कर रही है हादसे की सूचना रात करीब 12:00 बजे सुमेधा ने ही परिवार को दी थी। श्रेष्ठ के पिता बलराम सरकारी शिक्षक थे और 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान बीएलो का काम देखते समय सड़क दुर्घटना में उनकी मौत हो गई थी। अब घर में केवल मां माधुरी है जो सरकारी टीचर है। अर्णव (25) पुत्र अरुण कुमार चक्रवर्ती 164 पूरबापड़ा, बेलघरिया नॉर्थ पश्चिम बंगाल का रहने वाला था ,वहीं सप्त ऋषि (24) पुत्र सुशांता शेखर दास रामनगर, अगरतला वेस्ट त्रिपुरा का रहने वाला था दोनों ही अपने-अपने परिवार के इकलौते बेटे थे।

जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के सम्बन्ध में की गई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद न्यायाधीश विवेक की अध्यक्षता में गुरुवार को जनपद न्यायाधीश के सभागार कक्ष में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर जिला अधिकारी नोडल अधिकारी अमरोहा, अपर पुलिस अधीक्षक/ नोडल अधिकारी जनपद अमरोहा के साथ बैठक आहुत की गयी। आहुत बैठक में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु निर्देशित करते हुए लोक अदालत के वादों के नोटिस / सम्मन तामील कराने पर अधिक बल दिया तथा राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिन्हित करके का निस्तारण करने पर बल दिया गया और जनपद न्यायाधीश द्वारा बताया गया कि लोक अदालत में समझौता करने से समय व धन की बचत होती है और समझौते के माध्यम से निस्तारण किये जाने पर किसी भी एक पक्ष की जीत नहीं होती बल्कि दोनों पक्षों की जीत होती है तथा राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु निर्देशित करते हुए कहा गया कि प्रस्तावित लोक अदालत 13 दिसंबर में अधिक से अधिक वाद चिन्हित करें, तथा चिन्हित वादो का निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत सफल बनाये तथा डिप्टी सी०एम०ओ० जसकरन सिंह को इस बार आधुनिक चिकित्सा उपकरणों सहित लोक अदालत में चिकित्सा शिविर लगाने हेतु भी निर्देशित भी किया गया आहुत बैठक में माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम साकिर हसन, सत्र न्यायाधीश / नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ईश्वर सिंह, प्रभारी अधीकारी (सं०का०) / डिप्टी कलेक्टर, मुख्यालय ब्रजपाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखलेश भदौरिया, प्रभारी ई० सम्मन सेल ब्रजेश सिंह व सितिन चौहान डी०एल०एस०ए०, उपस्थित रहें।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के एवं ज्याति चौधरी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के निदेर्शों के अनुक्रम में जनपद अमरोहा के समस्त परा विधिक स्वंय सेवक, जनपद मुरादाबद में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम "संवर्धन" में सम्मिलित हुए, संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद अमरोहा के 02 परा विधिक स्वंय सेवकों 01. श प्रोति 02. महिलाल सिंह को मा० अपर जिला एवं सत्र न्यायधीश / सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा श्रेष्ठ परा विधिक स्वयं सेवक के सम्मान से सम्मानित किया गया।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत की हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा हेतु जनपद में किये गये कार्यों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जो कार्य शेष हैं उनमें तेजी से प्रगति करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का वास्तविक लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, धरातल पर कार्य करते हुए रेगुलर वाटर सप्लाई को बढ़ाया जाए। निर्देश दिए कि लीकेज एवं अन्य शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया जाए। इसके लिए शिकायत रजिस्टर बनाए जाए जिसमें शिकायत और उसका निस्तारण कितने समय में हुआ है अंकित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन गांवों में जल जीवन मिशन के तहत शत प्रतिशत घरेलू नल कनेक्शन पूरे हो चुके हैं, उन गांवों में लोगों को जल की महत्ता समझाते हुए और जागरूक करते हुए हैंडपंप एवं समरसेबल मुक्त गांव अभियान चलाया जाए। डीएम ने निर्देश दिए कि स्थानीय जन प्रतिनिधियों के साथ गाँवों का भ्रमण करें और योजनाओं का अवलोकन कराएं। उन्होंने नगर क्षेत्र की सभी योजनाओं को जल्द से जल्द पूरा कराकर नगर पालिका को हैंडओवर करने के निर्देश दिए।

निधि गुप्ता वत्स ने अधिशासी अभियंता एवं डीपीएम टीपीआई को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं से धरातल पर गुणवत्तापरक कार्य कराना सुनिश्चित किया जाए। समस्त ग्रामों में जल समिति का गठन सुनिश्चित करते हुए जल बचाने और सही उपयोग करने के प्रति जागरूकता कराई जाए। आंगनवाड़ी केंद्रों, सामुदायिक शौचालयों, विद्यालयों, पंचायत भवनों, सरकारी कार्यालयों सहित सार्वजनिक स्थानों पर कितने पानी का कनेक्शन दिए गए उसकी ब्लॉकवार रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिन योजनाओं में कार्य चल रहा है उनमें माहवार लक्ष्य निर्धारित कर कार्ययोजना बनाते हुए तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। और जो परियोजनाएं पूर्ण हो गई हैं उनके हैंडओवर की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अधिशासी अभियन्ता जल निगम चंद्रहास, सहायक अभियंता शहरोज आरिफ सहित संबंधित अधिकारीगण तथा संबंधित फर्म के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल, में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

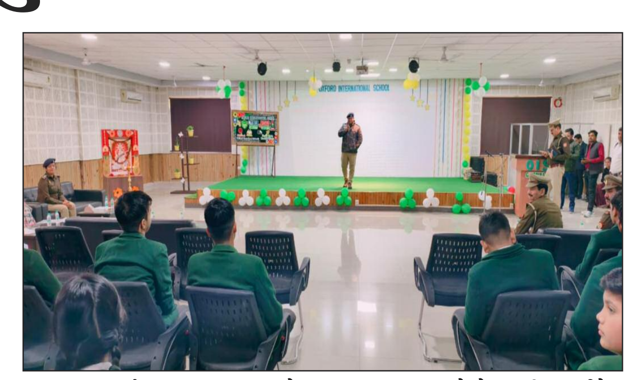

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल गजरौला में छात्रों को साइबर सुरक्षा एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक व्यापक एवं प्रभावशाली जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद रहे। क्षेत्राधिकारी अंजली कटारिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अमरोहा व क्षेत्राधिकारी धनौरा द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यशाला के दौरान पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने बच्चों को डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों, उनके तरीकों और उनसे बचने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, संदिग्ध लिंक या ऐप से बचाव, OTP/पासवर्ड साझा न करने, ऑनलाइन फ्रॉड से सतर्क रहने तथा किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने की सलाह दी। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा पर विस्तृत मार्गदर्शन देते हुए पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने कहा कि जीवन की सुरक्षा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन में निहित है। उन्होंने छात्रों को ट्रैफिक सिग्नलों का पालन, सड़क पार करने के सुरक्षित तरीके, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचने की सावधानियों के बारे में सरल और प्रभावी तरीके से समझाया। इस अवसर पर स्कूली छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक नृत्य, नारी शक्ति पर आधारित विशेष प्रस्तुति तथा एक मनमोहक गायन प्रस्तुति दी गई, जिसने कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। इन प्रस्तुतियों ने न केवल कार्यक्रम को आकर्षक बनाया बल्कि सामाजिक जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश भी प्रभावी ढंग से संप्रेषित किए।

कार्यक्रम के दौरान साइबर थाना अमरोहा की टीम ने भी बच्चों को उदाहरणों और सरल भाषा में साइबर अपराधों से बचाव की जानकारी दी। छात्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और सुरक्षा से जुड़े अपने प्रश्न पूछे, जिनका समाधान पुलिस अधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रबंधन ने अमरोहा पुलिस का हार्दिक आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण में अत्यंत सहायक हैं। अमरोहा पुलिस द्वारा भविष्य में भी समाज की सुरक्षा एवं जागरूकता के लिए ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

गजरौला में पूर्व सांसद हरीश नागपाल ने गरीबों को बांटे शॉल, बताया SIR का महत्व

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- लोकसभा अमरोहा के पूर्व सांसद, भाजपा नेता एवं स्वर्गीय रामदास नागपाल मेमोरियल ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष हरीश नागपाल ने अपने पुत्र जय नागपाल के साथ ई-रिक्शा चालकों एवं गरीब महिलाओं को शॉल वितरित किए। इस दौरान उन्होंने लोगों को मतदाता गहन पुनरीक्षण (सीआईआर) का महत्व समझाते हुए सीआईआर फार्म भरने का आह्वान किया। कहा कि देश व प्रदेश में मजबूत सरकार के गठन के लिए अपना वोट अवश्य बनवाएं।
वृहस्पतिवार को पूर्णिमा के पर्व पर पूर्व सांसद हरीश नागपाल ने हाईवे किनारे स्थित होटल गजरौला सुखदेव में एकत्र ई-रिक्शा चालकों, तांगा चालकों एवं निर्धन लोगों के साथ ही महिलाओं को शॉल वितरित किए।
उन्होंने भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथ मजबूत करने का आह्वान किया। देश के कई राज्यों समेत यूपी में चल रहे एसआईआर कार्य के बारे में विस्तार से समझाया कि अपने-अपने फार्म अवश्य भर दें। अब सरकार ने फार्म जमा करने की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 11 दिसंबर कर दी। इसके बाद फार्म जमा करने में काफी परेशानी आएगी और यदि फार्म नहीं भरा तो आप वोट देने के मौलिक अधिकार से वंचित रह जाएंगे। इस मौके पर विकुल अग्रवाल, मनजीत नागपाल, पंकज भारद्वाज, रचित सिंघल, अमित कुमार, डा. जाकिर अली आदि मौजूद रहे।

जनपद के थानों की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से अवगत कराया गया

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्ति रजिस्ट्रेशन की तिथि बढ़ाने की मांग

सपा नेता फिरोज खान के नेतृत्व में जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

सम्भल(सब का सपना):- जिले में वक्फ संपत्तियों के डिजिटल रजिस्ट्रेशन के लिए चल रहे उम्मीद पोर्टल की अंतिम तिथि 5 दिसंबर को समाप्त होने वाली है, लेकिन अब तक देशभर में केवल करीब 30 प्रतिशत वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन ही हो पाया है। इसको लेकर समाजवादी पार्टी के नेता व पूर्व जिलाध्यक्ष फिरोज खान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों ने उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी सम्भल के माध्यम से केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरन रिजिजू को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि उम्मीद पोर्टल का सर्वर अत्यधिक धीमा चल रहा है और बार-बार बंद हो जा रहा है, जिससे वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन में भारी परेशानी हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने इसे कहीं न कहीं साजिशह्व तक करार दिया। उन्होंने मांग की है कि रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि को कम से कम दो महीने और बढ़ाया जाए, ताकि देश की सभी वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन समय से पूरा हो सके। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से सपा नेता रामरहीस यादव, जाहिद खान, मियां असलम खान, मोहम्मद शान, आरिफ खान, जावेद, नफीस, गुलाम मुस्तफा, फैजान शाही, जबर सिंह, गौरव और बिलाल खान आदि शामिल रहे।

घरों में चोरी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किया चोरी का माल

कुढ़फतेहगढ़/सम्भल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में पिछले दिनों हुई दो अलग-अलग चोरी की घटनाओं में वांछित चल रहे अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, ग्राम लक्ष्मणपुर निवासी जगपाल सिंह पुत्र भरत सिंह ने तहरीर दी थी कि अभियुक्त उनके बड़े भाई के घर में घुसकर कमरे में रखा नकदी व सामान चोरी कर ले गया था। इसी तरह ग्राम भगतपुर मिर्जा निवासी रजनेश पुत्र चंद्रपाल ने शिकायत की थी कि रात में उनके घर की दीवार काटकर चोरों ने नकदी व कीमती सामान चोरी कर लिया। दोनों मामलों में थाना कुढ़फतेहगढ़ पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। थानाध्यक्ष कुढ़फतेहगढ़ के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर खटेटा चौराहे से आगे भीकमपुर तिराहे के पास दबिश देकर मुख्य अभियुक्त जहांगीर पुत्र महमूद खाँ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने दोनों चोरियों की घटनाओं को अंजाम देना कबूल किया है। उसके पास से चोरी का कुछ सामान व नकदी भी बरामद हुई है। अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

एसडीएम ने की एसआईआर की दृष्टि से कमजोर बूथों पर सर्वदलीय समीक्षा बैठक

संवाददाता
कसया, कुशीनगर। उपजिलाधिकारी कसया डॉ संतराज सिंह बघेल ने नगर पालिका कुशीनगर क्षेत्र के अंतर्गत एसआईआर की दृष्टि से कमजोर बूथों पर एक सर्वदलीय समीक्षा बैठक की। जिसमें एसआईआर की गति और पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया गया। बैठक मुख्य रूप से नगर के बाल बाड़ी स्कूल स्थित बूथ संख्या 284, 285, 286 व 287 एवं भलुही मदारी पट्टी के बूथ संख्या 291, 292, 293, 294 व सबया के बूथ संख्या 327, 328, 329, 330 पर प्रमुखता से हुआ।बैठक में भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि स्वरूप नगर मंडल महामंत्री रवि शंकर सिंह, शक्ति केंद्र संयोजक अनिल शुक्ला सभासद टिंकू मिश्रा, शक्ति केंद्र संयोजक विष्णु दुबे सभासद मधुबाला त्रिपाठी सभासद प्रतिनिधि अमेरिकन सिंह व समाजवादी पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी राजेश प्रताप राव बंटी भैया, अरविंद जायसवाल , नगर पालिका कुशीनगर की अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला आदि प्रमुखता से उपस्थित रहे। बैठक में उपजिलाधिकारी सिंह ने सभी बीएलओ व उनके सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि अब एसआईआर का कार्य अपने अंतिम चरण में है और जल्दबाजी में कुछ गलत ना हो इसके लिए सभी कर्मचारी गण, सभी राजनैतिक दलों के साथ सहयोग व सबको विश्वास में लेकर सही व पारदर्शी तरीके से अपना-अपना कार्य पूर्ण करें।

केनरा बैंक प्रशिक्षण संस्थान ने प्रशिक्षुओं को कराया क्षेत्र भ्रमण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (CBRSETI), संभल के बहजोई केंद्र में वर्तमान में तीन बैचों के माध्यम से कुल 103 प्रशिक्षुओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन बैचों में सहायक बुककीपर (अकाउंट्स असिस्टेंट), ब्यूटी प्रैक्टिशनर और उद्यमिता विकास के कोर्स संचालित हो रहे हैं। व्यवसाय को प्रारंभ करने व व्यवहारिक बातों को समझने के लिए प्रशिक्षुओं को उनके क्षेत्र से संबंधित प्रतिष्ठानों का भ्रमण कराया गया। सहायक बुक कीपर के प्रशिक्षुओं को खुशी कंप्युटर व ब्यूटी प्रैक्टिशनर के प्रशिक्षुओं को स्नेहा ब्यूटी पार्लर पर ले जाया गया। खुशी कंप्युटर के तनुज गुरु ने व्यवसाय प्रबंधन तथा स्नेहा ने पार्लर खोलने की बारीकियों के बारे में बताया। संकाय संतोष कुमार, पूजा देव एवं सुजीत सिंह उपस्थित रहे. संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने बताया कि संस्थान प्रशिक्षुओं को जमीनी ज्ञान देने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों का निःशुल्क भ्रमण कराता है.अभी तक सैकड़ों प्रशिक्षु इन कोर्सेज से प्रशिक्षित होकर अपना रोजगार शुरू कर चुके हैं या विभिन्न संस्थानों में सेवारत हैं। आगामी बैचों में प्रवेश के लिए इच्छुक युवा संस्थान कार्यालय बहजोई में संपर्क कर सकते हैं।

13 दिसम्बर को होने वाली लोक अदालत को कामयाब बनाने के लिये एक जरुरी बैठक हुई सम्पन्न

संवाददाता
हमीरपुर। जिला जज मनोज कुमार राय के निर्देशन में 13 दिसम्बर 2025 को आने वाली लोक अदालत के आयोजन को कामयाब बनाने के मद्देनजर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने बैंकर्स और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की, बैठक में अपर जिलाधिकारी विजय शंकर तिवारी, लीड बैंक मैनेजर संगम लाल मिश्रा, परिवहन विभाग की ओर से वरिष्ठ सहायक सत्यम बाजपेई प्रभारी तहसीलदार सदर वीरपाल सिंह, मौदहा से नायब तहसीलदार महेन्द्र गुप्ता, राठ से नायब तहसीलदार सुभाष वर्मा, अधिशाषी अभियन्ता विद्युत राठ रमेश चन्द्र, टेलीकॉम मैनेजर अमर महरोत्रा सहित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि जिला मुख्यालय सहित तहसीलों में ऐसी जगह जहां आम लोग ज्यादा से ज्यादा तादाद में मौजूद हो, अदालत, कलेक्ट्रेट, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, बाजार तहसील मुख्यालय सहित बैंकों में लोक अदालत की भारी कामयाबी तय किये जाने के लिये प्रचार-प्रसार की कोशिश करें, साथ ही आम लोगों की हिस्सेदारी तय करे, और अदालत सहित विभागों में पैंटिंग पड़े ज्यादा से ज्यादा मामलों की पहचान कर लोक अदालत में निपटारा कराये जाने की कोशिश करें।

विशेष पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लेखपाल को एसडीएम ने किया सम्मानित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में निर्वाचन नामांवलियों के विशेष पुनरीक्षण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लेखपाल रमेश चंद्र सैनी को एसडीएम द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने गुरुवार को अपने कार्यालय पर उन्हें अंगवस्त्र शाल ओड़ाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया है कि लेखपाल रमेश चंद्र सैनी ने विधानसभा क्षेत्र के 10 बूथों पर शतप्रतिशत कार्य समय सीमा से पहले पूरा कर लिया था यह कार्य उनके पर्यवेक्षण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने अन्य सुपरवाइजरों एवं बीएलओ को रमेश चंद्र सैनी से प्रेरणा लेने का आवाहन किया, उन्होंने कहा कि सभी को एसआईआर विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य में तेजी लाकर शतप्रतिशत लक्ष्य हासिल करना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी बीएलओ की लगातार निगरानी की जा रही है इसलिए सभी को सचेत रहकर अपना कार्य करते रहने की आवश्यकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बागी विधायक पूजा पाल ने केशव के पैर छुए

प्रयागराज। यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य गुरुवार को प्रयागराज पहुंचे। बिहार चुनाव के बाद केशव का यह पहला दौरा था। केशव से मिलने प्रयागराज के तमाम नेता पहुंचे। इनमें सपा से निष्कासित विधायक पूजा पाल भी थीं। पूजा पाल ने केशव के पैर छुए और आशीर्वाद लिया। मुलाकात के बाद पूजा पाल ने कहा- सीएम योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मेरे लिए अभिभावक समान हैं। मुझे दोनों नेताओं से परिवार जैसा स्नेह और सहयोग मिलता रहा है। पूजा पाल ने पति की हत्या का जिक्र करते हुए कहा, मेरे पति, तत्कालीन बसपा विधायक राजू पाल की हत्या के 18 साल बाद योगी सरकार में मुझे न्याय मिला। यही वजह रही कि मैंने राज्यसभा चुनाव में सपा लाइन से हटकर क्रॉस वोटिंग की थी। यह मेरा भाजपा सरकार के प्रति आभार था। पूजा पाल ने स्पष्ट किया कि सपा में रहते हुए भी वह भाजपा नेताओं के संपर्क में थीं और कई कार्यक्रमों में शामिल होती रही थीं। बिहार विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने बीजेपी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया था। हालांकि उन्होंने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। बीजेपी ज्वाइन करने के सवाल पर पूजा पाल ने कहा- जब होना होगा तब होगा। मैं अभी भाजपा के लिए सेवा कर रही हूं और जो आदेश मिलता है, उसके अनुसार काम करती हूं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग समझते हैं कि वह भाजपा के साथ क्यों खड़ी हैं, और आने वाला फैसला शीर्ष नेतृत्व ही करेगा।

जिला प्रशासन बाल विवाह खात्मे की दिशा में कर रहा प्रयास :- गौरी शंकर चौधरी

सम्भल(सब का सपना):- भारत को 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार के दृढ़ निश्चय और बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक साल पूरे होने के मौके पर प्रयत्न संस्था ने सम्भल से बाल विवाह के खात्मे के लिए शुरू हुए ह्व100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियानह्ल की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सभी सरकारी विभागों व एजेंसियों के साथ करीबी समन्वय से काम करने का संकल्प दोहराया। केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के एक साल पूरा होने के अवसर पर नई दिल्ली में इस 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का उद्देश्य उस पूरे परिवेश को ध्वस्त करना है जो बाल विवाह के फलने-फूलने में मदद करते हैं। इन प्रयासों में मिली सफलता को रेखांकित करते हुए हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि स्पष्ट नीतियों, लगातार की जा रही कार्रवाईयों और गांव-गांव तक पहुंच रहे प्रयासों की बदौलत भारत बाल विवाह को पूरी तरह खत्म करने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। केंद्र ने अधिसूचना जारी कर सभी राज्य सरकारों से कहा है कि वे इस ह्व100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करें ताकि बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में जनसमुदाय में चौतरफा और स्पष्ट बदलाव देखने को मिले। अधिसूचना के बाद राज्य सरकार ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और उच्च शिक्षा विभाग को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने के निर्देश दिए हैं ताकि लक्षित उद्देश्यों को हासिल किया जा सके। जिले में बाल विवाह रोकने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के लगातार सहयोग और विभिन्न कदमों की सराहना करते हुए प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने कहा, जिला प्रशासन बाल विवाह के खात्मे की दिशा में बढ़-चढ़ कर प्रयास कर रहा है। हमारी सफलताएं उनके साथ करीबी समन्वय से काम करने का नतीजा हैं। आज पूरा देश एकजुट है और देश का शीर्ष नेतृत्व बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में हम निश्चित रूप से 2030 से पहले ही देश को इस अपराध से मुक्त बना देंगे। दुनिया जिसे कभी असंभव मानती थी, वह आज भारत में संभव होता दिखाई दे रहा है और इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व का विषय है। प्रयत्न संस्था बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं। 100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियानह्ल ने एक स्पष्ट और लक्ष्य केंद्रित रणनीति तय की है। इसके तहत स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न होते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बच्चों के खिलाफ होने वाले इस सदियों पुराने अपराध को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

गणना प्रपत्रों के संग्रह के कार्य को शीघ्र करना सुनिश्चित करें बी एल ओ:- नीतू रानी

असमोली/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन में डिप्टी कलक्टर नीतू रानी द्वारा विकासखंड असमोली के ग्राम बिलालपत के प्राथमिक विद्यालय में एसआईआर कार्यों की प्रगति को लेकर निरीक्षण किया तथा ग्राम कुल के साथ एसआईआर कार्यों के संबंध में बैठक भी की तथा गणना प्रपत्रों के शीघ्र संग्रह कराने में सहयोग की अपील की गयी। डिप्टी कलक्टर नीतू रानी ने बीएलओ को निर्देशित करते हुए कहा कि गणना प्रपत्रों के संग्रह के कार्य को शीघ्र करना सुनिश्चित करें तथा कार्य को लम्बित न रखें एवं डिजिटलाइजेशन के कार्य को शीघ्र ही शत प्रतिशत पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर श्यामा कुमार, एवं संबंधित बीएलओ एवं ग्राम प्रधान सहित विद्यालय के प्रधानाध्यापक आदि उपस्थित रहे।

दहेज, 6 लाख रुपए...फिर भी नहीं भरी लालचियों की भूख, विवाहिता को सुलाया मौत की नींद

पलवल : सरकार और प्रशासन नारी सशक्तीकरण को लेकर चाहे लाख दावे करती हो, लेकिन धरातल पर इसकी सच्चाई बिल्कुल विपरीत है। आए दिन विवाहिताएं घरेलू कलह और दहेज के दानवों की भेंट चढ़ रही हैं। इसी का ताजा उदाहरण सामने आया है पलवल के गांव मित्रोल में जहां दहेज के दानवों ने स्कॉर्पियो गाड़ी की मांग के चलते एक युवती को मौत के घाट उतार दिया। हालांकि घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु पलवल सामान्य अस्पताल में रखवा दिया है। मृतका के भाई की शिकायत पर ससुराल पक्ष के सास, ससुर, पति और मृतका की दोनों ननदों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका के भाई अनूप कुमार पुत्र वीरेंद्र सिंह निवासी नौरंगाबाद ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन वर्षा की शादी अप्रैल 2023 में गांव औरंगाबाद मित्रोल निवासी सुमित पुत्र विक्रम के साथ हुई थी और हमने शादी के समय अपनी हैसियत के अनुसार दहेज दिया

था, जिसकी लिस्ट आज भी हमारे पास है। लेकिन उसके ससुराल वाले इस दहेज से खुश नहीं थे और इसी के चलते शादी के अगले दिन से ही ससुराल पक्ष के सास, ससुर, पति सुमित और वर्षा की दोनों नन्द रेणु और मधु कम दहेज के ताने वर्षा को मारने लगे कि हमने भूखे घर की लड़की से शादी कर ली। हमारे बेटे पर 10 एकड़ जमीन आती है और इसके लिए तो स्कार्पियो के रिश्ते आए थे। इतना ही नहीं वर्षा की दोनों ननदों ने सोने के कुंडल न मिलने पर वर्षा के साथ मारपीट भी की। जब वर्षा ने इसकी शिकायत पति सुमित से की तो सुमित ने भी अपनी बहनों का पक्ष लेते हुए वर्षा के साथ ही मारपीट की। शिकायतकर्ता मृतका के भाई ने बताया कि जब वर्षा ने उनकी स्कॉर्पियो की मांग और अपने साथ हो रही प्रताड़ना के बारे में हमें बताया तो हमने अपनी एक प्लॉट 6 लाख रुपए में बेचकर उन्हें 6 लाख रुपए दे दिए लेकिन उनकी प्रताड़ना जारी रही। जिसके बाद एक दो बार पंचायती तौर पर भी समझौता हुआ और उन्होंने गलती मानते हुए आगे ऐसा न करने की बात कही। कुछ दिनों के बाद उनका वही रवैया शुरू हो गया। बीते 2 दिसंबर को वर्षा ने फोन पर मुझे बताया कि भैया ये मुझे मारने और सुमित की दूसरी शादी करने की बात कर रहे हैं। अनूप ने शिकायत में बताया कि उसके बाद मुझे वर्षा के पति सुमित का फोन आया कि वर्षा की मौत हो गई है, मैंने उसकी हत्या कर दी है। परिजनों का कहना है कि ससुराल पक्ष पैसे वाला है और अब घटना के बाद भी हमसे बोला जा रहा है कि तुम कुछ नहीं बिगड़ सकते।

परिजनों का कहना है कि वर्षा के हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए ताकि हमें न्याय मिल सके। उन्होंने बताया कि मृतका वर्षा का 8 माह का एक लड़का भी है, उसको भी छीन लिया।

मरीजों के लिए बुरी खबर! इस दिन से अनिश्चतकालीन हड़ताल पर जाएंगे डॉक्टर

चंडीगढ़ : हरियाणा के मरीजों के लिए बुरी खबर आई है। बुधवार को हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन (एचसीएमएस) की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के साथ वार्ता विफल रही। इस बैठक में मांगों पर कोई सहमति नहीं बनी जिस पर एसोसिएशन ने पूर्व घोषित 8 व 9 दिसंबर को हड़ताल पर कायम रहने की घोषणा की है। अगर सरकार ने फिर भी डाक्टरों की मांगों पर कोई फैसला नहीं लिया तो डॉक्टर 10 दिसंबर से निश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे। बता दें कि डॉक्टर सीनियर मेडिकल आफिसर (एसएमओ) की सीधी भर्ती करने के हरियाणा सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं।

मेडिकल आफिसर (एमओ) के सीनियर मेडिकल आफिसर (एसएमओ) के पदों पर पदोन्नति नहीं होने से डॉक्टर बिना प्रमोशन के ही रिटायर हो रहे हैं।डॉक्टरों में इस बात को लेकर भी काफी आक्रोश है कि खाली पदों पर भर्तियां नहीं की जा रही तथा वादे के बाद भी संशोधित एसीपी का लाभ प्रदान नहीं किया जा रहा। हड़ताल के दौरान आपातकालीन सेवाएं भी बंद रखी जाएंगी। इस दिन ओपीडी बंद रखने के साथ न तो कोई आपरेशन होगा और न ही पोस्टमार्टम किया जाएगा। लेबर रूम की सेवाएं भी बंद रहेंगी।

इससे पहले डॉक्टर 27 नवंबर को पूरे राज्य में 2 घंटे की कलमबंद हड़ताल कर चुके हैं।

विधायक बोले- मैं खु द जांच करवाऊंगा

डिप्टी स्पीकर कृष्ण मिड्ढा के निजी सचिव पर आय से अधिक संपत्ति का आरोप

जींद : हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा के निजी सचिव मोहित शर्मा पर आय से अधिक संपत्ति रखने का गंभीर आरोप लगा है। यह मामला तब गरमाया जब आरटीआई कार्यकर्ता भारत भूषण शर्मा ने मोहित शर्मा की संपत्ति की जाँच की माँग की। इसके बाद एक यूट्यूबर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें दावा किया गया कि चीफ सेक्रेटरी ने आईएएस अधिकारी प्रियंका सोनी को इस मामले की शिकायत की है। वीडियो वायरल होने के बाद डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने तुरंत प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और स्पष्ट शब्दों में कहा, ह्लअभी तक मेरे निजी सचिव मोहित शर्मा के खिलाफ कोई आधिकारिक जाँच नहीं चल रही है। सोशल मीडिया पर चल रही सारी खबरें निराधार हैं। मैं खुद मुख्यमंत्री महोदय को पत्र लिखकर अपने निजी सचिव की संपत्ति की पूरी जाँच करवाऊँगा। मुझे भी सच जानना है कि कहीं मैं अब तक अंधेरे में तो नहीं रहा। जाँच शुरू होते ही मोहित शर्मा को छुट्टी पर भेज दिया जाएगा ताकि वे जाँच को किसी भी तरह प्रभावित न कर सकें।ह्वडिप्टी स्पीकर ने यूट्यूबर्स को कड़ी चेतावनी भी दी,ह्लबिना तथ्यों के वीडियो बनाना बंद करें, वरना उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई होगी। अगर मेरा निजी सचिव जाँच में दोषी पाया गया तो उसे कानून के अनुसार सजा मिलेगी।ह्वगौरतलब है कि मोहित शर्मा साल 2009 से मिड्ढा परिवार के साथ हैं। पहले वे डिप्टी स्पीकर के पिता डॉ. हरिचंद मिड्ढा के निजी सचिव थे। फिलहाल मामला पूरी तरह सुर्खियों में है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि मुख्यमंत्री को लिखा गया पत्र कब स्वीकृत होता है और जाँच कब शुरू होती है।

विधायक रामकुमार गौतम के बयान पर भड़का जाट समाज, खाप पंचायतों ने किया बहिष्कार का ऐलान

पानीपत : भाजपा विधायक रामकुमार गौतम के हाल ही में दिए बयान ने जाट समुदाय में गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। शनिवार को सेक्टर 13-17 में आयोजित बैठक में कई खाप पंचायतों और अंतरराष्ट्रीय जाट संसद के प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर विधायक के खिलाफ कार्रवाई और सामाजिक बहिष्कार की तैयारी शुरू कर दी।

बैठक में अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद के राष्ट्रीय संयोजक नवीन नैन ने कहा कि गौतम समय-समय पर जाट समाज को लेकर अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते रहे हैं, जिससे पूरे समाज में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय 36 बिरादरी को साथ लेकर वोट मांगने वाले नेता पद पर पहुंचते ही समाज पर उंगली उठाने लगते हैं, जो अस्वीकार्य है। नैन ने कहा कि अगर विधायक सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते, तो जाट समाज कानूनी रास्ता अपनाने के लिए तैयार है।नैन खाप के प्रतिनिधि प्रेम सिंह भालसी ने भी विधायक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किसी भी जनप्रतिनिधि को समुदाय के खिलाफ अपमानजनक भाषा बोलने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि राजनीति अस्थायी है, समाज स्थायी, इसलिए ऐसा व्यवहार सहन नहीं किया जाएगा। बैठक में शामिल जाट समाज के अन्य प्रतिनिधियों ने कहा कि विधायक की यह टिप्पणी समाज को बांटने की कोशिश है और यह उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है। प्रतिनिधियों ने कहा कि जल्द ही खाप पंचायतों की बड़ी बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें गौतम के सामाजिक बहिष्कार को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

जुलाना के इस गांव से लाखों के 2 पंचायती झोटे चोरी, सीसीटीवी में ले जाते दिखे आरोपी

जुलाना : जुलाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है जहां करसोला गांव में बीती 29 नवंबर की रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है, जहां गांव की पंचायत के दो झोटे अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिए गए। पंचायत ने आज बुधवार इसकी शिकायत पुलिस को दी।

गांव के सरपंच महेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पंचायत ने 2 साल पहले इन दोनों झोटों को करीब 4 लाख रुपये की कीमत में खरीदा था। ग्राम पंचायती उपयोग के लिए पाले गए ये झोटे गांव की संपत्ति माने जाते थे। सरपंच ने बताया कि रात के समय चोरों ने सुनसान मौके का फायदा उठाते हुए दोनों झोटों को चोरी कर लिया और उन्हें गांव से बाहर कहीं ले गए। घटना का पता चलने के बाद ग्रामीणों ने आस-पास के क्षेत्रों में झोटों की काफी तलाश की, लेकिन चार दिन की खोजबीन के बावजूद झोटों या चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। सीसीटीवी में दिखे आरोपी वहीं सीसीटीवी में रात को झोटों को चोरी कर कुछ लोग ले जाते दिख रहे हैं। इसमें फूटेज में करीब 3-4 युवक दिखाई दे रहे हैं। चोरी की इस घटना से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है और पंचायत ने इसे बड़ी क्षति बताया है। जुलाना थाना प्रभारी विक्रम ने बताया कि करसोला के ग्रामीणों द्वारा पुलिस को एक शिकायत दी गई है जिसमें बताया कि गांव के दो झोटे चोरी हुए हैं, जिस पर पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज देखी जा रही है जल्द ही चोरो को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जैसे बच्चों को तड़पा-तड़पा मारा, वैसे ही...', साइको किलर पूनम के पति का बयान आया सामने

सोनीपत : हरियाणा के पानीपत जिले के गांव नौल्था में अपने परिवार के साथ शादी में गई विधि नाम की मासूम बच्ची की मौत से जैसे ही पानीपत पुलिस ने पर्दा उठाया और उसके साथ-साथ अन्य तीन मासूमों की मौत को परिजन हादसा मान रहे थे उससे भी पर्दा उठ गया। इस मामले में पुलिस ने विधि की चाची पूनम को हिरासत में लिया तो उसने विधि, अपने बेटे शुभम, अपनी नंदन की बेटी इशिका और अपने भाई की बेटी जिया की हत्या से भी पर्दा उठा दिया तो पुलिस के भी रौंगटे खड़े हो गए। जैसे बच्चों को तड़पा-तड़पा कर मारा, वैसे पूनम को मिले सजा- पति नवीन चारों मासूमों को पूनम ने पानी में डुबोकर मारा था और आज पूनम के पति नवीन ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि जैसे बच्चों को डुबोकर मारा गया

पूनम को भी वैसी ही सजा मिले। आरोपी महिला पूनम के पति ने तांत्रिक कनेक्शन से साफ मना करते हुए कहा कि कभी भी किसी भी तांत्रिक के पास नहीं गए थे। वो तो बेटे और भांजी की मौत को हादसा मान रहे थे।

विधि की मौत के बाद पुलिस में शिकायत दी तो खुलासा हुआ। उन्होंने बताया कि उनकी शादी साल 2019 में हुई थी और शादी के बाद कभी नहीं लगा कि वो मानसिक रोगी है, लेकिन बार-बार वो रूठ कर अपने घर चली जाती थी।

वहीं विधि के पिता संदीप ने बताया कि जब बारात चलने का समय आया तब विधि को लेकर पूनम ऊपर गई थी और मुझे पहले ही शक हो गया था कि पूनम ने ही ये किया होगा, क्योंकि जिया की मौत पर और शुभम और इशिका की मौत पर भी वो वहीं थी। विधि की हत्या करके वो नीचे आई और जब मैं और मेरे पिता ऊपर गए तो हमें लग गया था कि विधि की हत्या हुई है। मुझे लग रहा है कि पूनम के घर वाले भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

बेटे की शादी के दिन लापता रामलाल का शव यमुनानगर से बरामद, आरोपियों ने दी थी दर्दनाक मौत

यमुनानगर : करनाल के कस्बा इंद्री के गांव नौरता का रहने वाला रामलाल अपने बेटे की शादी वाले दिन ही घर से अचानक लापता हो गया था। रामलाल घर से सामान लेने के लिए निकला था। उनके पास लगभग 1 लाख बताए जा रहा थे। लापता होने पर गांव के लोगों ने ही सीसी फुटेज के आधार पर गांव के ही एक व्यक्ति पर शक जाहिर किया था, जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर जब पूछताछ की तो आरोपी ने बताया कि उसने राम लाल की गला घोंट कर हत्या कर दी है और शव यमुनानगर में फेंक आया था। इसके बाद करनाल सीआईए स्टाफ और थाना प्रभारी इंद्री शव को ढूंढने के लिए आरोपी को साथ लेकर पिछले 4 दिनों से यमुनानगर की खाक छान रहे थे। आरोपी ने शुरूआत में पुलिस को साथ लेकर कलेसर नेशनल पार्क में पहुंच गया, यहां पुलिस काफी देर तक आरोपी को साथ लेकर इधर-उधर ढूंढती रही लेकिन शव का कहीं पता नहीं चल पाया। इसके बाद अगले ही दिन पुलिस फिर आरोपी को लेकर यमुनानगर के हाथिनीकुंड बैराज पर पहुंची। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने शव को हथिनी कुंड बैराज के ऊपर से नीचे फेंक दिया था। शव को नहर से निकलने के लिए पुलिस ने गोताखोरों और एसडीआरएफ की मदद ली, लेकिन उनके नहर में उतरने से पहले ही आरोपी ने फिर बयान बदल दिया। बुधवार को भी पुलिस सुबह से ही आरोपी को लेकर प्रताप नगर इलाके के चक्कर काट रही थी, लेकिन देर रात पुलिस के हाथ सफलता लग ही गई। कलेसर नेशनल पार्क के 1 किलोमीटर अंदर मृतक रामलाल के शव को पुलिस ने बरामद कर ही लिया। इसके बाद पुलिस ने मौके पर सीन ऑफ क्राइम टीम को बुलाया और शव पोस्टमार्टम के लिए सिविल हॉस्पिटल यमुनानगर भेज दिया। पुलिस ने रामलाल की हत्या के मामले में उसके पड़ोसी और यमुनानगर के प्रताप नगर से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। हत्यारों ने रामलाल की हत्या पैसे की खातिर की या फिर कोई और विवाद था। इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है,

लेकिन बड़ी बात यह है कि पिछले 5 दिनों से आरोपी पुलिस को जगह-जगह घूमाता रहा। देर रात इस पर से भी पर्दा उठ गया। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस चुप्पी साधे हुए हैं। आखिर ऐसा क्यों है यह बड़ा सवाल है।

खबर एक्सप्रेस

इस गांव के सरपंच को डीसी ने किया सस्पेंड, कई गंभीर आरोप, अब इन्हें सौंपी जाएगी पंचायत की जिम्मेदारी

नारनौल : नारनौल के ग्राम पंचायत मेघोत बिन्जा के सरपंच मनोज कुमार को कार्यों में गड़बड़ी और प्रशासनिक नियमों का उल्लंघन करने के आरोपों के बाद जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से

निलंबित कर दिया है। उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 51 के तहत यह कार्रवाई की है। प्रशासन को प्राप्त शिकायतों और खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, नांगल चौधरी द्वारा की गई जांच में सरपंच के खिलाफ कई गंभीर अनियमितताएँ सामने आईं। रिपोर्ट के मुताबिक, सरपंच ने ग्राम पंचायत से अनुमति लिए बिना सिविल कोर्ट में चल रहे एक भूमि संबंधी मामले में कथित तौर पर गलत तरीके से बयान दिया। इसके अलावा शामलात भूमि मामलों में भी उनके कार्यों को नियमों के विपरीत पाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि सरपंच ने पंचायत बैठकों से जुड़े आवश्यक एजेंडा दस्तावेज कार्यालय में जमा नहीं करवाए और अवैध कब्जों पर नियमानुसार कार्यवाही में लापरवाही की। साथ ही नाजायज कब्जे धारकों को बिना पैमाइश रिपोर्ट के नोटिस जारी किए जाने को भी गंभीर प्रशासनिक चूक माना गया। सरपंच को पहले भेजा था कारण बताओ नोटिस सरपंच को इन आरोपों पर पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। इसके बाद व्यक्तिगत सुनवाई का मौका भी मिला, पर वे अपने पक्ष में ठोस प्रमाण नहीं दे सके। निलंबन के साथ प्रशासन ने निर्देश दिया है कि पंचायत से संबंधित सभी रिकॉर्ड और जिम्मेदारी बहुमत हासिल पंच को सौंप दी जाए। मामले की विस्तृत जांच अब अतिरिक्त उपायुक्त करेंगे। आदेश तुरंत लागू कर दिए गए हैं।

हरियाणा में बढ़ेगा दूध व्यवसाय, सरकार गांवों में बनाएगी दुग्ध उत्पादक सोसायटी

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार राज्य में पशुपालन क्षेत्र को मजबूत करने और ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने की दिशा में नया कदम उठाने जा रही है। इसके तहत प्रदेश के सभी गांवों में दुग्ध उत्पादक सहकारी सोसायटियों का गठन

किया जाएगा। सरकार ने विशेष रूप से विधवा महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और अंत्योदय परिवारों को इन सोसायटियों में प्राथमिकता देने की घोषणा की है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। बुधवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सहकारिता विभाग की बजट घोषणाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई सोसायटियों को प्रोत्साहन राशि समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग संयुक्त प्रयासों के साथ योजनाओं को लागू करें, ताकि पशुपालकों को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। सरकार वीटा बूथों पर दूध आधारित उत्पादों की बिक्री बढ़ाने के लिए भी नए विकल्प तलाश रही है। बैठक में बताया गया कि कई जिलों में मिल्क कलेक्शन और चिलिंग सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही हैफेड द्वारा सरसों और सूरजमुखी तेल मिल लगाने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है।

हरियाणा में यु वाओं को निशु ल्क सिखाई जाएंगी ये भाषाएं, विदेशों में आसानी से मिलेगी नौकरी

हरियाणा : हरियाणा के युवाओं के लिए खुशखबरी आई है। हरियाणा सरकार ने युवा वर्ग के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विदेशी भाषाओं को सीखने के लिए नई पहल शुरू की है। विदेश में रोजगार के लिए युवाओं को जर्मन,

जापानी और इतालवी भाषाएं निशुल्क सिखाई जाएंगी। बताया जा रहा है कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) के निदेशक मंडल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप कार्यबल विकसित करने के लिए विदेशी भाषा सहायता एवं प्रतिपूर्ति योजना को स्वीकृति दे दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बोर्ड की 12वीं बैठक में कई परिवर्तनकारी प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में विश्वस्तरीय कौशल विकास, रोजगार सृजन और कार्यबल के आधुनिकीकरण पर विशेष जोर दिया गया। जैसे-जैसे वैश्विक गतिशीलता भाषा प्रवीणता पर निर्भर हो रही है, यह योजना प्रमाणित उम्मीदवारों का एक तैयार पूल बनाने में मदद करेगी, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय नौकरी की आवश्यकताएं उत्पन्न होते ही तैनात किया जा सकता है।

हाईकोर्ट ने 24 साल पुराने विवाद में कर्मचारी को दी राहत

चंडीगढ़ : पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार के प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी विभाग के कर्मचारी मौजी राम के 24 साल पुराने विवाद में उसकी ए.सी.आर. में दर्ज नकारात्मक टिप्पणी हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने याची की निलंबन

अवधि को ड्यूटी माना, ईमानदारी पर लगाए गए प्रतिकूल रिमार्क हटाए और सके खिलाफ जारी विभाग के कई निर्णय रद्द कर दिए। कोर्ट ने कहा कि 13 नवम्बर 1997 से 5 मई 1998 तक की पूरी अवधि को अवधि ड्यूटी मानी जाएगी माना जाए और मौजी राम को पूरी तनख्वाह व भत्ते दिए जाए। यह आदेश जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने जारी किया। हाईकोर्ट ने कहा कि गंभीर आरोप ए.सी.आर. में लिखने से पहले कर्मचारी को बताना, सबूत उपलब्ध करवाना और रिकॉर्ड पर सामग्री होना अनिवार्य है।

अब हरियाणा की जेलों में मां के साथ इतने साल तक रहेंगे बच्चे, बढ़ाया इतना समय

चंडीगढ़ : हरियाणा की जेलों में अब मां के साथ रह रहे बच्चों को बड़ी राहत मिली है। दरअसल जेल विभाग ने बच्चों के साथ मां के रहने की अवधि को 2 साल बढ़ा दिया है। इसके बाद अब बच्चे 6 की बजाय 8 साल तक जेल में अपनी मां के साथ रह सकेंगे। डी.जी. जेल आलोक राय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इस फैसले से जेल में रह रही महिला कैदियों के साथ उन बच्चों को भी राहत मिलेगी जिनका बाहर कोई नहीं है। जेल विभाग ऐसे बच्चों के लिए जेल परिसर में ही उनकी पढ़ाई और पौष्टिक खाने की पूरी व्यवस्था कर रहा है। प्रदेश की 17 जेलों में बच्चों के खेलने के लिए क्रैच बने हुए हैं। इन बच्चों के खेल, खान-पान एवं अच्छे स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाता है। केंद्रीय जेलों सहित हरियाणा की कुल 20 जेलों में से 17 में महिला वार्ड बने हुए हैं। अभी इन जेलों में कुल 816 महिला कैदी बंद हैं जिनमें से 162 महिलाएं सजा काट रही हैं और 654 महिलाओं के केस अंडर ट्रायल चल रहे हैं। इन महिला बंदियों के पास कुल 47 बच्चे बंद हैं, जिनकी उम्र 6 वर्ष तक की आयु के बीच है। जेल विभाग के इस फैसले से इन बच्चों को राहत पहुंची है। हफ्ते में एक दिन बाहर जाते हैं बच्चेः छोटे बच्चों को सप्ताह में एक बार जेल के मुख्य गेट से बाहर जेल परिसर में बने पार्कों आदि में जेल के महिला मुलाजिम के निगरानी में घूमने के लिए भेजा जाता है। ओपन जेलों के तहत हरियाणा में करनाल और फरीदाबाद में 2 ओपन जेलें खोली गई हैं जहां करनाल में 30 फ्लैट । हैं वहीं फरीदाबाद में 36 जहां पर यह कैदी अपने परिवार के साथ रह रहे हैं। हरियाणा के डी.जी. जेल आलोक राय ने कहा कि इस फैसले से बच्चों और मां दोनों को राहत मिलेगी। कई बार अलग-अलग रहने से बच्चे डिप्रैशन में चले जाते हैं या उनकी मां के साथ ऐसा हो जाता है। अब दोनों साथ रहेंगे तो वह अवसाद से दूर रहेंगे। जेल विभाग ऐसे बच्चों को हर सुविधा दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

खालिदा को देखने ब्रिटेन की टीम बांग्लादेश रवाना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम वेंटिलेटर पर रखी गई पूर्व पीएम खालिदा जिया के इलाज का आकलन करने बांग्लादेश का दौरा करेगी। खालिदा जिया की हालत यहां एक निजी अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। एवरकेयर अस्पताल के जाहिद हुसैन ने कहा, ब्रिटेन के विशेषज्ञ जांच के लिए निकल चुके हैं।

तुर्किये तट के पास रूसी तेल टैंकर पर हमला, चालक दल सुरक्षित

मास्को, एजेंसी। रूस से जॉर्जिया जा रहे रूसी तेल टैंकर एमआईडीवीओएलजीए-2 ने तुर्किये तट से 80 मील दूर 13 सदस्यीय दल पर हमला किया गया। हालांकि हमले में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। तुर्किये की समुद्री प्राधिकरण बताया कि जहाज ने सहायता नहीं मांगी और सिनोप बंदरगाह की ओर बढ़ता रहा। यह घटना ऐसे समय आई है जब पिछले सप्ताह यूक्रेनी नौसैनिक ड्रोन ने काला सागर में दो रूसी-गामी टैंकरों को निशाना बनाया था।

स्टारबक्स ने हड़ताली कर्मियों को दिए 31.33 करोड़ रुपये

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्टारबक्स न्यूयॉर्क में हड़ताल के बीच अपने 15,000 से अधिक कर्मचारियों को लगभग 31.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने उन्हें स्थिर शेड्यूल नहीं दिए और मनमाने ढंग से काम के घंटे घटाए। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ ब्रायन निकोल निकोल ने इससे पहले कहा था कि कंपनी की संरचना को सुधारने का उद्देश्य निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना है और उन सिलोस को खत्म करना है जो संचार को धीमा करते हैं।

अमेरिका में जिम्नास्टिक कोच पर यौन शोषण के आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के आयोवा में एक जिम्नास्ट कोच पर यौन शोषण को लेकर कार्रवाई न करने पर यूएसए जिम्नास्टिक और यूएस सेंटर फॉर सेफपोर्ट नामक संस्था के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार 2017 में उन्होंने कोच के उन्हें अनुचित तरीके से छूने की जानकारी संस्थाओं को दी गई थी। लेकिन उन्होंने न तो मामले में पड़ताल करना जरूरी समझा और न ही कोई कार्रवाई। इसके चलते कोच को 2018 में आयोवा के एक अन्य जिम में नौकरी मिली। वहां भी वह बेखौफ होकर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करता रहा।

नेपाल : मधेश प्रदेश सभा की बैठक तत्काल बुलाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। मधेश राज्य सरकार में विपक्षी दलों के गठबंधन ने प्रदेश सभा की बैठक तुरंत बुलाने की मांग की है। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री सरोजकुमार यादव को 24 घंटे में विश्वास का मत हासिल करने का आदेश दिया है। इसी के चलते गठबंधन में शामिल दलों ने प्रदेश सभा की बैठक का आग्रह किया। सीएम विश्वास मत नहीं लेते हैं या बहुमत जुटाने में नाकाम रहते हैं तो संविधान के अनुच्छेद 168 (2) के तहत नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। अदालती आदेश जारी होने के अगले ही दिन नेपाली कांग्रेस, माओवादी केंद्र, जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेपाल सहित विपक्षी दलों ने उप सभामुख बबीता राउत से प्रदेश सभा की बैठक शाम 4 बजे बुलाने का अनुरोध किया। उच्च सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों ने अपने सांसदों को जिले से बाहर न जाने का निर्देश भी दिया है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में टीटीपी के 7 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में सात टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, दोनों ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले में किए गए। सुरक्षा बलों द्वारा मीर अली तहसील में एक खुफिया-आधारित अभियान (आईबीओ) चलाया गया, जिसके दौरान छह आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने बताया कि जिले के स्पिनवाम क्षेत्र में आईबीओ में एक अन्य आतंकवादी मारा गया। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है, जो सुरक्षा बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों और निर्दोष नागरिकों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। क्षेत्र में पाए जाने वाले अन्य आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रम्प के दामाद के साथ पुतिन की 5 घंटे बैठक

रूसी राष्ट्रपति बोले- डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं, जंग रोकने पर फैसला नहीं

मॉस्को, एजेंसी। रूस में राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठक हुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीत फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफ कहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिन कई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।

पुतिन-ट्रम्प की बैठक तय नहीं : उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रम्प की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले

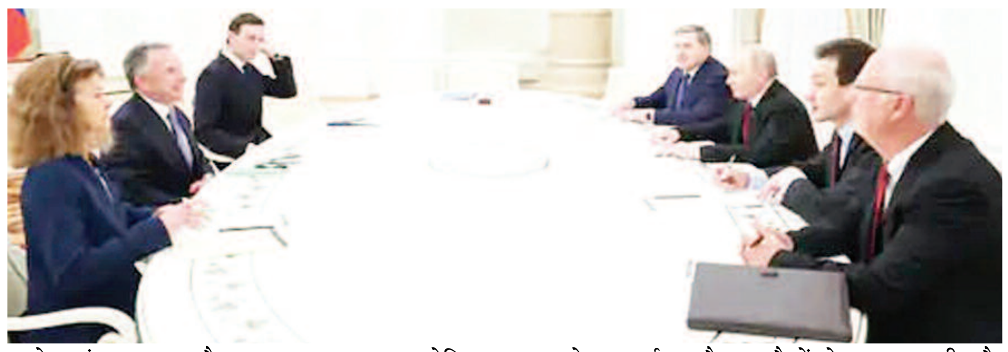

इशारे का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन को बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगला कदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा। वे कुछ बातों पर कुछ बातों पर सहमति और कुछ पर सख्त आपत्ति जताएंगे। अब असली सवाल यह है कि अमेरिका इस पर कैसे रिस्पांस करता है।

पुतिन ने कहा था- हम युद्ध नहीं चाहते : इस बैठक से ठीक पहले पुतिन ने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की शांति योजना में ऐसे बदलाव कर रहा है जिससे बातचीत आगे न बढ़ सके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यूरोप लड़ाई शुरू करना चाहता है, तो रूस तैयार है। उधर, व्हाइट हाउस ने बैठक से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बातचीत से कुछ डेवलपमेंट हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल ही में यूक्रेनी प्रतिनिधियों से फ्लोरिडा में मुलाकात की थी, जहां शांति योजना में कई बदलावों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मौजूदा शांति योजना पहले की 28 बिंदुओं वाली योजना में सुधार करके बनाई गई है, क्योंकि पुरानी योजना को यूक्रेन और यूरोपीय देशों ने रूस के पक्ष में बताया था।

जेलेंस्की बोले- हर तरह की डिप्लोमेटिक कोशिशें करेंगे : जेलेंस्की इस समय यूरोपीय देशों से भी बात कर रहे हैं। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आयरलैंड पहुंचकर वहां के प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं। उनका कहना है कि यूक्रेन किसी भी कूटनीतिक प्रयास को बेहद गंभीरता से ले रहा है और उसकी पूरी कोशिश है कि एक मजबूत शांति और सुरक्षा गारंटी मिले।

उन्होंने यह भी कहा कि रूस शांति से पहले भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है ताकि दूसरे देशों को प्रभावित किया जा सके। विटकॉफ और पुतिन के बीच यह इस साल की छठी बैठक थी। इतनी कोशिशों के बावजूद अब तक कोई ठोस समझौता नहीं बन सका है। अमेरिका और यूक्रेन को उम्मीद है कि बातचीत आगे बढ़ेगी, जबकि पुतिन लगातार इस बात पर अड़े हैं कि यूक्रेन को उन इलाकों से पीछे हटना होगा जिन्हें रूस अपना हिस्सा मानता है।

अमेरिका में दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक ट्रक से टक्कर के बाद कार में सवार दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या के आरोप लगाए गए हैं। राजिंदर कुमार (32) पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही के कारण किसी की जान को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है।

हादसे में कार में सवार विलियम मिका कार्टर (25) और जेनिफर लिन लोवर (24) की मौत हो गई थी। जिस ट्रक से उनकी टक्कर हुई थी, उसे कुमार ही चला रहा था। अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचसी) ने कहा कि आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने कुमार की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर दिया है।

ओरेगन राज्य की पुलिस ने कहा कि उसके अधिकारियों को 24 नवंबर की रात डेशूट्स काउंटी में दो वाहनों की टक्कर की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुमार का ट्रक सड़क के बीचोंबीच खड़ा था, जिसकी वजह से दोनों ओर से आवाजाही बंद हो

गई थी। उसी दौरान राजमार्ग पर तेज रफ्तार में आ रही कार्टर की कार ट्रक से टकरा गई थी।

कार्टर और लोवर को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था जबकि कुमार को कोई चोट नहीं लगी थी। इसके बाद कुमार को गिरफ्तार करके डेशूट्स काउंटी जेल भेज दिया गया था। डीएचएस के अनुसार कुमार भारत से आया अवैध प्रवासी है और वह 28 नवंबर 2022 को अरिजोन के ल्यूकविल के पास गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था।

लंदन में 'मेगा' दूतावास बनाने की चीन की योजना में और देरी

लंदन, एजेंसी। मध्य लंदन में चीन के एक विशाल दूतावास के निर्माण की विवादास्पद योजना पर एक लंबे समय से लंबित निर्णय को एक बार फिर टाल दिया गया है। अधिकारियों ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह जानकारी दी है। लंदन के वित्तीय जिले और संवेदनशील डेटा केबलों के करीब एक बहुत बड़ी साइट पर बनने वाले इस 'मेगा दूतावास' की योजना वर्षों से रुकी हुई है। आलोचकों ने चिंता जताई है कि इस इमारत का इस्तेमाल जासूसी के अड्डे के रूप में किया जाएगा, और राजनीतिक गलियारों के सांसदों ने सरकार से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया है। अधिकारियों को 10 दिसंबर तक दूतावास पर निर्णय लेना था, लेकिन प्लानिंग इंस्पेक्टरेट ने कहा कि इस पर पूरी तरह से विचार करने के लिए अधिक समय देने हेतु समय सीमा को बढ़ाकर 20 जनवरी कर दिया गया है। प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर के प्रवक्ता टॉम वेल्स ने पत्रकारों से कहा, 'गृह कार्यालय और विदेश कार्यालय ने विशेष सुरक्षा निहितार्थों पर विचार दिए हैं, और शुरू से ही यह स्पष्ट किया है कि जब तक हम यह पुष्टि नहीं कर देते कि उन विचारों को पूरा या सुलझा लिया गया है, तब तक कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए।' यह देरी हाल के हफ्तों में चीनी जासूसी के कई आरोपों से निपटने को लेकर ब्रिटिश सरकार पर बढ़ते दबाव के बीच हुई है।

कैलिफोर्निया में 2006 के बाद 2025 में कम हुए नरसंहार : कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में साल 2006 के बाद नरसंहार के मामले 2025 में सबसे कम रहे। कैलिफोर्निया में बच्चों की जन्मदिन पार्टी में हुई हालिया गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई थी। ये इस साल की 17वां नरसंहार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कमी स्थायी सुरक्षा का संकेत नहीं, बल्कि औसत स्तर पर लौटने जैसा है। क्रिमिनोलॉजिस्ट जेम्स ऐलन फॉक्स के अनुसार, 2025 में सामूहिक हत्याएं 2024 की तुलना में 24 फीसदी कम रहीं।

पश्तून सांसद की खरी-खरी, कहा- एक गांव भी बिना सिस्टम के नहीं चलता, यहां पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चल रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा के मुद्दों को पाकिस्तानी संसद में बेबाकी से उठाने वाले सांसद महमूद खान अचाकजई ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने सेना एवं सरकार की ओर से अत्याचारों का विरोध किया है और कहा कि यहां तो पूरा देश ही मनमर्जी से चल रहा है। अचाकजई ने कहा कि पाकिस्तान में संविधान और व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं बची है। इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र है। उन्होंने मंगलवार को पश्तून नायक खान अब्दुल समद खान की 52वीं बरसी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरकार पर खैबर पख्तूनख्वा की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के चेयरमैन महमूद खान ने कहा कि

इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र रह गया है। आखिर कोई देश कैसे बिना किसी नियम और कानून के चल सकता है। एक गांव भी इस तरह नहीं चल सकता, लेकिन यहां तो पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चलाया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने शहबाज शरीफ सरकार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चुराए हुए जनादेश से बहुमत तैयार कर लिया गया। संसद बन गई। पैसे और प्रभाव से संविधान को खत्म करने और व्यवस्था को कमजोर करने को अनुमति नहीं दी जा सकती। यही नहीं उन्होंने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का भी पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि संसद में बहुमत हासिल करने के लिए पीटीआई के लोगों पर अत्याचार किए गए। उन्होंने कहा कि हजारों घरों में रेड मारी गई। पुलिस थानों में कार्यकर्ताओं को टॉर्चर किया गया। वहां डिटेंशन सेंटर बना दिए गए। यहां तक कि उनकी गरिमा का भी उल्लंघन हुआ। इसके बाद भी पब्लिक ने पीटीआई को ही जनादेश दिया, लेकिन जब वोटों की गिनती हो रही थी तो दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहे लोगों को विजेता घोषित कर दिया गया।

कुछ लोगों को लाखों रुपये ले-देकर विजेता बना दिया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी जब बहुमत मिलता नहीं दिखा तो अदालतों से फैसले दिलाकर कई लोगों को अयोग्य ही घोषित करा दिया गया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान में अदालतें कोई सही फैसला नहीं दे सकतीं। वे बिना दबाव के निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर पा रही हैं।

वेनेजुएला पर अमेरिका सख्त: ट्रंप ने चेताया- अब जमीन पर भी होंगे हमले, कैरिबियन सागर में हमलों के बाद बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरिबियन सागर में कथित वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद अब तनाव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कारण है कि कैबिनेट बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक चेतावनी दी है कि सागर में हमले के बाद अब अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला के अंदर भी जमीनी हमले शुरू कर सकता है। ट्रंप की ये चेतावनी ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन कैरिबियन सागर में किए गए हमले को लेकर जांच के घेरे में है। बता दें कि इन हमलों में हुए 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, ऐसे में इस हमले को लेकर उठ रहे सवाल के बीच ट्रंप ने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ

का बचाव किया। साथ ही ट्रंप ने कहा कि हम जल्द ही जमीन पर भी हमले शुरू करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी हमले आसान है, क्योंकि हमें पता है कि ड्रग तस्कर कहां रहते हैं। हम बहुत जल्द हमला शुरू करने वाले हैं।

80 से ज्यादा लोगों की मौत, ट्रंप प्रशासन पर सवाल : हाल में अमेरिका की ट्रंप प्रशासन को उन नौकाओं पर किए गए हमलों को लेकर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है जिन पर नशा-तस्करी का आरोप था। इन हमलों में अब तक 80 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने रक्षा मंत्री हेगसेथ का बचाव करते हुए कहा कि न तो उन्हें और न ही हेगसेथ को दूसरे हमले की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा कि मुझे दूसरे हमले के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे बस इतना पता था कि एक नाव को निशाना बनाया गया था।

पहले हमला लाइव देखा- हेगसेथ : दूसरी ओर रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने पहला हमला लाइव देखा, लेकिन उसके बाद अपनी अगली मीटिंग में चले गए। उन्होंने कहा कि कुछ घंटे बाद मुझे दूसरे हमले के बारे में पता चला। मैंने कोई जीवित व्यक्ति नहीं देखा, क्योंकि वह नाव पूरी तरह आग में घिरी हुई थी। हालांकि दूसरे हमले को लेकर व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के प्रमुख एडमिरल फ्रैंक मिच ब्रैडली ने दूसरे हमले का आदेश दिया था।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई, रैली-जुलूस निकालने पर रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है। आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है। दावा- संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं। पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, ' पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं। सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था।

असीम मुनीर के इशारे पर जेल में किया जा रहा टॉर्चर, बहनों से मुलाकात पर इमरान ने क्या बताया

करांची, एजेंसी। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। इमरान खान का कहना है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर के निर्देश पर उन्हें अदियाला जेल में प्रताड़ित किया जा रहा है। इमरान खान को पाकिस्तानी जेल में एकांत कारावास में रखा गया है और बाहरी दुनिया से उनकी कोई पहुँच नहीं है। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने अपनी पार्टी के नेतृत्व के साथ-साथ उस अलोकतांत्रिक शासन के लिए भी संदेश दिया, जिसे उन्होंने अलोकतांत्रिक शासन कहा था। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि इमरान खान ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर उस

मानसिक यातना के लिए ज़िम्मेदार हैं, जिसका दावा वे जेल में कर रहे हैं। मुलाकात के बाद बोलते हुए उज़मा खान ने कहा कि इमरान जेल प्रशासन से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर नाराज़ थे, हालाँकि उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि उनका 'मनोबल अभी भी ऊँचा है। उज़मा की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब पीटीआई ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय और अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन किया था और इमरान खान के मुलाकात के अधिकार पर लगाए गए गैरकानूनी प्रतिबंधों की निंदा की थी। पार्टी और परिवार ने बार-बार शिकायत की थी कि सप्ताह में दो बार मुलाकात की अनुमति देने वाले अदालती आदेश के बावजूद, कई हफ़्तों से मुलाकात की अनुमति नहीं दी गई थी।

ब्रिस्बेन टेस्ट : स्टार्क ने झटके 6 विकेट, जो रूट ने ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर ठोका अपना पहला शतक

ब्रिसबेन (एजेंसी)। जो रूट (नाबाद 135) शतकीय और जैक क्रॉली (76) रनों की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड ने एशेज के दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन गुरुवार को दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ विकेट पर 325 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। रुट ने ऑस्ट्रेलिया की जमीन पर अपना शतक सूखा समाप्त करते हुए 202 गेंदों पर नाबाद 135 रन में 15 चौके और एक छक्का लगाया। रुट का ओवरआल यह 40वां शतक है।

ऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिचेल स्टार्क ने जबरदस्त स्पेल किया, जबकि जो रूट ने शानदार शतक लगाया। ब्रिस्बेन की लाइट्स में आज के जमाने के दो महान खिलाड़ियों ने सबका ध्यान खींचा। स्टार्क पहली ही गेंद से लय में थे, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को दो शुरुआती ब्रेकथ्रू देकर एकदम सही शुरुआत दी और जब भी इंग्लैंड संभलता हुआ लगा, उन्होंने फिर से स्ट्राइक किया। जब भी किसी पार्टनरशिप में मजबूती का इशारा मिला, उन्होंने उसे तोड़ने का कोई न कोई तरीका निकाल ही लिया। हालांकि, रूट तूफान में शांति की तरह थे। जैसे-जैसे उनके आस-पास विकेट गिर रहे थे, उन्होंने एक शांत और ज़बरदस्त पारी खेलकर इंग्लैंड की पारी को संभाला, और आखिरकार ऑस्ट्रेलियाई ज़मीन पर अपना पहला टेस्ट शतक बनाया; यह उस मौके के लिए एकदम सही था। क्रॉली के भरोसेमंद योगदान ने भी अपनी भूमिका निभाई, जैसा कि रूट और आर्चर की आखिरी विकेट की जोशीली साझेदारी ने किया, जिनकी तेज 61 रन की साझेदारी ने इंग्लैंड को पहले दिन 320 रन के पार पहुंचा दिया। पिंक-बॉल टेस्ट में इतने बड़े स्कोर के साथ, इंग्लैंड अगले फेज़ में असली मजबूत स्थिति में है। आज यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 5 रन के स्कोर पर अपने 2 विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने बेन डकेट और ऑली पोप को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने जैक क्रॉली के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 117 रनों की साझेदारी हुई। 28वें ओवर में माइकल नीसर ने जैक क्रॉली को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। जैक क्रॉली ने 93 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 76 रन बनाये। हैरी ब्रूक (31), कप्तान बेन स्टोक्स और विल जैक्स 19-19 बनाकर आउट हुए।

इसी दौरान 66वें ओवर में बोलैंड की गेंद पर चौका लगाकर जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। जो रूट का यह 40वां टेस्ट शतक है। इसी के साथ रूट, लेलैंड के बाद गाबा टेस्ट के पहले दिन शतक बनाने वाले दूसरे इंग्लिश खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में उनके लंबे समय से चला आ रहा शतक सूखा भी समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलिया में, उन्होंने नौ अर्धशतक लगाए थे, लेकिन शतक तक पहुंचने में असफल रहे थे। गस ऐटकिंसन (चार) और ब्राइडन कार्स (शून्य) को मिचेल स्टार्क ने 67वें ओवर में आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 325 रन बना लिए थे और (जो रूट नाबाद 135) और जोफ्रा आर्चर (नाबाद 32) क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने 6 विकेट लिए। माइकल नीसर और स्कॉट बोलैंड ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बीसीसीसीआई की नाराजगी को देखते हुए विजय हजार ट्रॉफी में खेलने को तैयार हुए विराट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह दिल्ली की ओर से आगामी विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने को तैयार है। माना जा रहा है कि विराट ने ये फैसला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में लिया है। इसका कारण है कि बोर्ड पहले एकदिवसीय के बाद उनके दिये बयान से नाराज था जिसको देखते हुए विराट को 15 साल के बाद इस घरेलू टूर्नामेंट में खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा है।वहीं पहले वह इसमें खेलने को तैयार नहीं थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई विराट के सार्वजनिक रुप से दिखे उस बयान से नाराज थी। उसके बाद ही उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया।विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला 24 दिसंबर को आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेलेगी।

कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की मैच विजेता पारी खेलने के बाद कहा था कि मैं कभी भी बहुत ज्यादा तैयारी में भरोसा नहीं करता। मेरा पूरा क्रिकेट मानसिक है। जब तक मैं मानसिक रूप से मजबूत महसूस करता हूं तो मैं खेल सकता हूं। उन्होंने कहा, 'मैंने 300 एकदिवसीय मैच खेल खेले हैं और 15-16 साल में काफी अधिक क्रिकेट खेला है। इसको देखते हुए मेरा मानना है कि अगर आप नेट में बिना कोई ब्रेक लिए डेढ़, दो घंटे खेल सकते हैं तब आप हर जरूरत को पूरी कर रहे हैं।'कोहली के इसी बयान से बीसीसीआई भड़की हुई थी। उसने इससे पहले इन दोनो को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी थी ताकि ये दोनो भारत की ओर से एकदिवसीय प्रारुप खेलने के लिए तैयार रहें। वहीं रोहित ने पहले ही कहा दिया था कि वह मुंबई की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए लिए तैयार हैं।

जडेजा की धीमी बल्लेबाजी से हारे : इरफान पठान

रायपुर (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि दूसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम की हार का कारण अनुभवी बल्लेबाज रविन्द्र जडेजा की धीमी बल्लेबाजी रही है। भारतीय टीम ने इस मैच में दक्षिण अफ्रीका को 359 रनों का लक्ष्य दिया था पर इसके बाद भी वह इसे बचा नहीं पायी। पठान ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका अफ्रीका ने 39 से 49 ओवरों के बीच कसी हुई गेंदबाजी की, जिससे भारतीय टीम 370 तक नहीं पहुंच पायी। इरफान के अनुसार 15 से 20 रन और बनते तो शायद परिणाम अलग होता। उन्होंने कहा कि जडेजा ने धीमी बल्लेबाजी की है। जडेजा ने सातवें नंबर पर आने के बाद 27 गेंदों में केवल 24 रन बनाए। उन्होंने कप्तान केएल राहुल के साथ छठे विकेट के लिए 54 गेंदों में 69 रन बनाये थे।

इरफान ने कहा, राहुल ने अच्छा फिनिश किया। उन्होंने एक और कप्तानी पारी खेली। उनका अच्छा फिनिश करना जरूरी थी, अगर वो नहीं होता तो इतने रन भी भारत के नहीं बनते। मेरे हिसाब से जो जडेजा की पारी ठीक नहीं थी। उन्होंने 27 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाए। भारतीय टीम के अधिकतर बल्लेबाजों ने 100 के स्ट्राइक रेट से ज्यादा बनाये पर जडेजा ने 88 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। जिस प्रकार के वह बल्लेबाज हैं उसमें ये आंकड़ा सही नहीं है। जडेजा का रवैया आक्रामक नहीं रहा। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने शुरु में संभलकर खेलने के बाद आक्रामक रुख दिखाया। दक्षिण अफ्रीका ने 49.2 ओवर में ही 359 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। साउथ अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम ने 110 जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके ने 68 और डेवाल्ड ब्रेविस ने 54 रन बनाये।

हार्दिक पांड्या का भारी क्रेज, सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच का वेन्यू बदला गया

बड़ौदा बनाम गुजरात मैच फैंस की भारी भीड़ और सुरक्षा कारणों से हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में शिफ्ट

हैदराबाद (एजेंसी)। मौजूदा सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान एक अभूतपूर्व फैसले में बड़ौदा बनाम गुजरात का मुकाबला भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था की बढ़ती जरूरत के चलते राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। यह फैसला हार्दिक पांड्या के प्रति उमड़ रही असाधारण फैन-फॉलोइंग के चलते लिया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, टीम होटल, अभ्यास स्थल और टिकट काउंटरों के बाहर असामान्य रूप से बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ देखी गई जो सामान्य घरेलू मैचों की तुलना में कई गुना अधिक थी। आयोजकों का मानना है कि यह भीड़ पूरी तरह हार्दिक पांड्या को देखने की दीवानगी के कारण उमड़ी। एक वरिष्ठ आयोजक ने बताया, 'हार्दिक पांड्या के प्रति उत्साह अविश्वसनीय है। फैन टर्नआउट, पूछताछ और भीड़ का दबाव हमारी अपेक्षाओं से कहीं ज्यादा था। सुरक्षित और सुचारू आयोजन सुनिश्चित करने के लिए मैच को राजीव गांधी स्टेडियम में स्थानांतरित करना आवश्यक हो गया।' राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, जो अंतरराष्ट्रीय मैचों और IPL मुकाबलों की मेजबानी के लिए जाना जाता है, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और उच्च क्षमता के कारण इस अप्रत्याशित भीड़ को संभालने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प माना गया।हैदराबाद में पिछले दो दिनों में IPL जैसी हलचल देखी गई प्रशंसक अभ्यास सत्रों के बाहर इकट्ठा हो रहे हैं, पोस्टर-बैनर लेकर घूम रहे हैं, टिकट के लिए लाइनें लगा रहे हैं, और सोशल मीडिया पर जबरदस्त उत्साह जता रहे हैं यह सब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हार्दिक पांड्या की मौजूदगी को लेकर है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मुकाबले के बारे में

बड़ौदा बनाम गुजरात मैच भारत की प्रमुख घरेलू टी20 प्रतियोगिता सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का हिस्सा है और वेन्यू बदलने के बाद अब इसके रिकॉर्ड भीड़ जुटाने की उम्मीद है।

अश्विन बोले, इस बार ग्रीन पर आईपीएल नीलामी में लग सकती है सबसे बड़ी बोली

मुम्बई । स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि 16 दिसंबर को आबूधाबी में 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के लिए होने वाली नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर सबसे अधिक बोली लग सकती है ।ग्रीन फिट नहीं होने के कारण पिछले साल आईपीएल से बाहर थे । अश्विन के अनुसार आंद्रे रस्सेल और ग्लेन मैक्सवेल के सन्यास के कारण ग्रीन ही अब सबसे बेहतर विदेशी ऑलरांउर के तौर पर उलब्ध हैं, ऐसे में उनकी मांग बढ़ना तय है। अश्विन के अनुसार सभी फ्रेंचाइजियां ऐसे खिलाड़ी को लेना चाहेंगी जो तेज गेंदबाजी के साथ ही मध्य क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और ये सभी खूबियां ग्रीन में हैं । अश्विन ने कहा, ग्रीन के अलावा इस बार उनके साथी खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन के पास भी मोटी रकम हासिल करने का अवसर है । ग्रीन इस समय विश्व के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में शामि हैं ।एक अच्छे आक्रामक बल्लेबाज होने के साथ ही वह 140 से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं । उनके प्रदर्शन में निरंतरता बनी रहती है ।ग्रीन ने 40 से अधिक के औसत और तेज स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं ।इस ऑलराउंडर ने अब तक दो सही सत्र खेले हैं और 29 मैचों में 707 रन बनाये हैं इसके अलावा 16 विकेट लेकर दिखाया है कि वह एक मैच विजेता हैं ।ग्रीन ने दबाव के बीच ही मैच विजेता पारियां खेली हैं ।

अपने गेंदबाजी कौशल को निखारने मोर्कल और अर्शदीप से सलाह ले रहे हर्षित राणा

मुम्बई ।युवा तेज तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में आने के बाद से ही टीम में अपनी जगह पक्की करने का प्रयास कर रहे हैं। हर्षित का सकारात्मक पक्ष ये है कि वह गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं हालांकि वह इस बार के लिए निशाने पर रहते हैं कि मुख्य कोच गंभीर का करीबी होने से उन्हे खेलने के अवसर मिल रहे हैं । वहीं इन आलोचनाओं पर ध्यान नहीं देते हुए हर्षित नई गेंद से अपने कौशल को सुधारने के लिए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ काम कर रहे हैं। हर्षित ने कहा, ''नई गेंद से मैं मोर्ने (मोर्कल) के साथ बहुत अभ्यास कर रहा हूं और मैं अर्शदीप से बहुत बात करता रहता हूं। मुझे लगता है कि अर्शदीप के पास बहुत अनुभव है और वह अभ्यास के दौरान मेरी मदद और मार्गदर्शन करते रहते हैं ।' पारी के 34वें ओवर के बाद एक गेंद के नियम को लेकर हर्षित ने कहा कि भारतीय टीम इस बात पर नजर रखती है कि दोनों गेंदों में से कौन सी गेंद अधिक पुरानी हो रही है जिससे कि उसे चुना जा सके । उन्होंने कहा, ''आजकल के क्रिकेट में गेंदबाज को इतनी मदद नहीं मिलती इसलिए यह नियम हमारे लिए बहुत सहायक है और यह हमेशा दिमाग में रहता है कि कौन सी गेंद पुरानी हो रही है । और हर कोई उस गेंद को चुनने में शामिल होता है ।'' हर्षित ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के टीम में रहने से भी उनको काफी कुछ सीखने को मिला है ।उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए और जाहिर है कि पूरी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है क्योंकि अगर ऐसे अनुभवी खिलाड़ी मैदान और ड्रेसिंग रूम में आपके साथ रहते हैं तो टीम का माहौल बहुत अच्छा होता है । यहां तक कि अगर आप ड्रेसिंग रूम में हैं तो यह पूरी टीम के लिए एक खुशी का माहौल है ।''

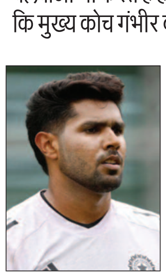

2026 फीफा विश्वकप के सफल आयोजन के लिए प्रयास कर रहे : गिउलिआनी

वाशिंगटन (एजेंसी)। 2026 फीफा वर्ल्ड कप को लेकर अमेरिका में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। विश्व कप के लिए बनाये गये व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू गिउलिआनी ने कहा है कि ये विश्वकप सबसे सुरक्षित और यादगार रहेगा। गिउलिआनी के अनुसार इसके लिए सभी प्रकार के इंतजाम किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका फुटबॉल के इस सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसमें आने वाले लाखों प्रशंसकों को एक सुरक्षित और आरामदेह माहौल उपलबध कराया जाएगा। गिउलिआनी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए निर्देश दिये हैं जिन्हें पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित किया जाये कि देश में एक सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार विश्व कप का आयोजन हो। 2026 के टूर्नामेंट को लेकर गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के साथ ही होगा, जिसमें 4 जुलाई, 2026 को फिलाडेल्फिया में एक मैच होना है। उन्होंने कहा, यह हमें अमेरिका का सबसे अच्छा रूप दिखाने का अवसर देता है, जिसमें हमारी मेहमाननवाजी और हमारा इनोवेशन तो है ही, साथ ही ये उस अमेरिकी भावना को भी दिखाता है जिस पर हमें बहुत गर्व है।

गिउलिआनी ने कहा कि विश्व कप में 48 देश, 104 मैच 49 टीम बेस कैंप और लाखों अंतरराष्ट्रीय मेहमान शामिल होंगे। इससे पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्थानीय व्यवसायों और 11 अमेरिकी मेजबान शहरों को फायदा होगा। यह एकता का एक वैश्विक क्षण रहेगा। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता से कहीं ज्यादा है।

जीत के बाद बोले बावुमा, भारतीय टीम के खिलाफ खेलना बेहद कठिन

रायपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान तेंबू बावुमा ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में मिली रिकार्ड जीत पर खुशी जतायी है।

बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के कठिन लक्ष्य को भी हासिल कर लिया। यह एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करते हुए विदेशी धरती पर किसी भी टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है।

बावुमा ने दूसरा एकदिवसीय चार विकेट से जीतने के बाद कहा, मुझे खुशी है कि हमने जीत की दहलीज पार कर ली। इस मैच में आते हुए हमारा ध्यान था कि गेंदबाजी कैसे बेहतर की जा सके। वहीं बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया। एडेन मार्करम और मैथ्यू ब्रीटजके के अलावा कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा खेल दिखाया है। फिनिशिंग भी अच्छी रही। यह प्रकार से ये कठिन लक्ष्य हासिल किया गया। उससे साफ है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना कितना मुश्किल है। हमें आगे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की जरुरत होगी। जब मैं क्रीज पर आया तो एडेन गेंद को खेल रहा था। मैं उसके साथ साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहा था। कप्तान ने साथ ही कहा, इस मैच से हमें बहुत आत्मविश्वास मिला है। एक अच्छी सीरीज तैयार हुई है। मुझे लगता है कि जो लोग यहां हैं, वे हमारे अच्छे खिलाड़ी हैं। हर स्थान के लिए कड़ी टक्कर थी। इसलिए मुझे लगता है कि बल्लेबाज जानते हैं कि उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। यह स्थिति गेंदबाजों के साथ भी है। इस तरह के प्रदर्शन से मनोबल बढ़ता है।

राहुल ने टॉस को बताया हार के लिए जिम्मेदार, ओस के कारण गेंदबाजी थी मुश्किल

रायपुर ।भारतीय क्रिकेट टीम की मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के दूसरे एकदिवसीय में 358 रन बनाने के बाद हुई हार के लिए कप्तान के एल राहुल ने टॉस हारने को कारण बताया है । राहुल ने कहा , इस परिणाम को पचाना ज्यादा कठिन नहीं हैं क्योंकि रात के समय काफी ओस रहती है जिससे गेंदबाजी में काफी परेशानी आती है ।अंपायरों ने कई बार गेंद बदली जिसके बाद भी गेंदबाजी आसान नहीं थी ।मैं लगातार दो टॉस हारने पर निराश हूं हालांक कुछ चीजें होती हैं जिन्हें हम बेहतर कर सकते थे पर कर नहीं पाये । मुझे पता है कि 350 अच्छा स्कोर लगता है हालांकि पिछले मैच के बाद भी ड्रेसिंग रूम में यही हो रही थी कि किस प्रकार हम 20 से 25 रन कैसे और बना सकते थे जिससे गेंदबाजों को गीली गेंद से गेंदबाजी करते समय स्कोर का बचाव करने में आसानी हो। गेंदबाजों ने पूरा प्रयास किया लेकिन इसके बाद भी सुधार की जरुरत है ।हमने मैदान में कुछ आसान रन भी दिए जो भारी पड़ गये । अगर हम गेम के तीनों पहलुओं को देखें तो थोड़े और बेहतर हो सकते थे । शायद उन 20-25 रनों से हमें लाभ होता । राहुल ने ऋतुराज गायकवाड़ और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा, ऋतुराज को बल्लेबाजी करते हुए देखना काफी अच्छा अनुभव था । विराट को हमने 53 बार ऐसा करते देखा है । वह अपना काम करते रहते हैं, हमें यह देखने की आदत है । वहीं ऋतुराज जिस तरह से बल्लेबाजी की । उसकी जितनी तारीफ करें कम है । उसने स्पिनरों का बेहतर तरीके से सामना किया और फील्डरों के बीच में से गेंद निकाली । उसने अर्धशतक बनाने के बाद जबरदस्त तेजी दिखायी और उसी से हमें 20 रन ज्यादा मिले । अगर निचला क्रम और रन बनाता तो हम और बेहतर हालत में होते । राहुल ने अपने बल्लेबाजी क्रम पर कहा, आज पहली बार मुझे छह नंबर पर रखा गया हालांकि मैं नंबर-5 पर बल्लेबाजी करने आया ।

बेल्जियम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में होगी भारत की असली परीक्षा

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने अपेक्षाकृत आसान पूल में लगभग प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन स्न्नद्ब पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में उसकी असली परीक्षा बेल्जियम के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले क्वार्टर फाइनल मैच में होगी।

चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड के साथ पूल बी में शामिल भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले स्थान पर रहते हुए नाकआउट दौर में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण में 29 गोल किए और एक भी गोल नहीं खाया, जो टूर्नामेंट में भाग ले रही सभी 24 टीमों में सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है। लेकिन पीआर श्रीजेश की कोचिंग वाली टीम यह बात अच्छी तरह जानती है कि इन परिणामों का आगे कोई महत्व नहीं होगा, क्योंकि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनका सामना मजबूत टीमों से होगा।

यहां से कोई भी चूक भारत के 9 साल बाद घरेलू मैदान पर खिताब जीतने के सपने को चकनाचूर कर सकती है। भारत ने आखिरी बार 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। भारत पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को दोहराने की स्थिति में दिख रहा है। उसने अभी तक 18 मैदानी गोल किए हैं। इसके अलावा उसने नौ गोल पेनल्टी कॉर्नर से और दो पेनल्टी स्ट्रोक से किए हैं। लेकिन यहां से भारतीय टीम की राह आसान नहीं होगी और किसी भी तरह का अति आत्मविश्वास उसे खिताब की दौड़ से बाहर कर सकता है।

चिली और ओमान के खिलाफ पहले दो मैचों में भारत ने दबदबा बनाए रखा और मनचाहे गोल दागे। उसने स्विट्जरलैंड को 5-0 से हराया, लेकिन स्विस टीम ने भारत की रक्षापंक्ति के सामने कड़ी चुनौती पेश की। इस मैच में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ शानदार बचाव किए। पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करना अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने दो बार पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला लेकिन भारत कप्तान रोहित और अनमोल एक्का से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

भारतीय स्ट्राइकरों ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। दिलराज सिंह (06 गोल), मनमीत (05), अर्शदीप सिंह (04), अजीत यादव और गुरजोत सिंह (दोनों दो-दो गोल) सभी ने अपना प्रभाव छोड़ा है। रोसन कुजूर, एड्रोई एक्का, अंकित पाल और इंगलेम्बा लुवांग थोउनाओजम ने मध्यपंक्ति में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। श्रीजेश भी पूल चरण के प्रदर्शन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं हैं।

उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से कुछ क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। अगले मैच से असली टूर्नामेंट शुरू होगा और हमारे लिए उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना बहुत महत्वपूर्ण है।% बेल्जियम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचा लेकिन भारत को उसे किसी भी तरह से हल्के से लेने की गलती नहीं करनी होगी। बेल्जियम ने अभी तक टूर्नामेंट में 22 गोल किए हैं और वह सर्वाधिक गोल करने वाली टीमों में तीसरे नंबर पर है। उसने 11 मैदानी गोल किए जबकि इतने ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

श्रीजीश ने कहा, 'जूनियर विश्व कप कोई आसान टूर्नामेंट नहीं है। मेरा मतलब है कि इनमें से कोई भी टीम आपको आसानी से जीत हासिल नहीं करने देगी। टूर्नामेंट की असली शुरुआत तो अब होगी और कोई भी गलती भारी पड़ सकती है।% क्वार्टर फाइनल के अन्य मैचों में स्पेन का सामना न्यूजीलैंड से, फ्रांस का सामना जर्मनी से और नीदरलैंड का सामना अर्जेंटीना से होगा।

रोहित, विराट पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये : एमएस के प्रसाद

मुम्बई ।चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष एमएस के प्रसाद ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये ।प्रसाद ने ये बात भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उसे निर्देश को लेकर कही है जिसमें बोर्ड ने केन्द्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने का अनिवार्य बनाया है ।केवल फिट नहीं होने पर ही खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट से बाहर रहने की अनुमति दी गयी है । ऐसे में माना जा रहा है कि विराट और रोहित आने वाले समय में विजय हज़ारे ट्रॉफी खेलते हुए दिख सकते हैं ।वहीं प्रसाद का मानना है कि बोर्ड को इन सीनियर खिलाड़ियों पर घरेलू मैच खेलने का दबाव नहीं डालना चाहिए ।उन्होंने कहा कि रोहित और कोहली न सिर्फ टीम के अनुभवी खिलाड़ी हैं बल्कि युवा खिलाड़ियों से कहीं बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं । वहीं बोर्ड का मानना है सभी अनुबंधित खिलाड़ी अवसर मिलने पर घरेलू क्रिकेट खेलें, जिससे उनकी फिटनेस के साथ ही लय भी बनी रहेगी । इसी के बाद दिल्ली जिला क्रिकेट संघ ने कहा था कि विराट आगामी विजय हज़ारे ट्रॉफी में हिस्सा लेंगे ।इसके अलावा उसने रोहित के भी मुम्बई की ओर से मैदान पर उतरने की उम्मीद जतायी ।इस नियम का उद्देश्य घरेलू स्तर पर स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी बढ़ाना है, जिससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा और अनुभव मिल सके ।वहीं प्रसाद ने वर्तमान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को आगाह किया है कि कोहली और रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों पर घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव न बनाया जाए । साथ ही कहा कि इससे उनपर मानसिक दबाव पड़ेगा । रेलू क्रिकेट खेलना अच्छा है, लेकिन इसे जबरदस्ती की तरह पेश नहीं करना चाहिए ।

राशि खन्ना के लिए बेहद खास रहा यह जन्मदिन

अपनी हालिया रिलीज फिल्म 120 बहादुर की सफलता से गदगद अभिनेत्री राशि खन्ना का इस बार जन्मदिन भी बेहद खास रहा। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने अपना 35वां जन्मदिन कैसे सेलिब्रेट किया। राशि ने अपना 35वां जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया। इस बार उनका बर्थडे शोर-शराबे से दूर, अपनों के बीच प्यार और शांति से भरा रहा। राशि ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जन्मदिन पर प्यार लुटाने वालों का आभार जताया। उन्होंने परिवार और दोस्तों के साथ कुछ खूबसूरत तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए फैंस के साथ ही शुभचिंतकों का दिल से आभार जताया। राशि खन्ना ने लिखा, कुछ जन्मदिन बहुत शोरगुल वाले होते हैं, यह वाला बहुत गर्मजोशी भरा था, प्यार से भरे फैन मीट से लेकर घर पर अपनों के बीच शांत सत्संग तक, यह जन्मदिन सच में बहुत खास था। राशि खन्ना ने आगे बताया कि उन्हें मिले ढेरों शुभकामनाओं की वजह से वह बेहद खुश हैं और इसके लिए आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, बहुत आभारी हूं। उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने मुझे विश करने के लिए समय निकाला। ढेर सारा प्यार। तस्वीरों में राशि अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ हंसते-मुस्कुराते और जन्मदिन का जश्न मनाती नजर आईं। पोस्ट की गई तस्वीरों में से एक में वह पारंपरिक कुर्ती-पायजामा पहने सत्संग के बीच शांत भाव से बैठी दिखीं, तो दूसरी तस्वीरों में केक काटते और अपनों से गले मिलते हुए बेहद खुश नजर आईं। फैंस के साथ हुई मुलाकात की कुछ झलकियां भी उन्होंने पोस्ट की। राशि खन्ना की पोस्ट पर फैंस के साथ ही एक्ट्रेस वाणी कपूर भी कमेंट करती नजर आईं। कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी डालते हुए उन्होंने राशि के प्रति अपने प्यार का इजहार किया।

मैं राजनीति के लिए नहीं बनी, बॉलीवुड के पेमेंट गैप पर भी बोलीं

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित क्या राजनीति की दुनिया में एंट्री लेंगी? उन्हें लेकर अक्सर लोग कयास लगाते रहते हैं। हकीकत क्या है? इसे लेकर हाल ही में माधुरी दीक्षित ने खुद स्पष्ट कर दिया है। अभिनेत्री ने न्यूज एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में राजनीति में आने की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है। साथ ही बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर भी बात की। कहा- पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी माधुरी दीक्षित ने पॉलिटिक्स जॉइन करने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। उनका मानना है कि वे पॉलिटिक्स के लिए नहीं बनी हैं। उनके पॉलिटिकल डेब्यू को लेकर अफवाहें पिछले साल तब तेज हुईं, जब रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि एक्ट्रेस 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ सकती हैं। हालांकि ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन कई इंटरव्यू और पब्लिक अपीयरेंस में उनके बारे में अटकलें चलती रहीं। हाल ही में बातचीत में माधुरी ने राजनीति में उतरने की बात को नकार दिया। साथ ही यह भी बताया कि वे खुद को पॉलिटिक्स में क्यों नहीं देखतीं?

आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कंफर्टेबल हैं

अभिनेत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उनकी पर्सनैलिटी और ख्वाहिशें चुनावी जिम्मेदारियों के बजाय क्रिएटिव एक्सप्रेशन से ज्यादा जुड़ी हुई हैं। माधुरी दीक्षित ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वे पॉलिटिक्स के लिए सही हैं। उन्होंने बताया कि वे आर्टिस्ट के रोल में ज्यादा कम्फर्टेबल महसूस करती हैं। इसके जरिए वे ज्यादा प्रेरित कर सकती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि मैं पॉलिटिक्स के लिए बनी हूं। मैं एक आर्टिस्ट होने और उस मायने में असर डालने के लिए बनी हूं। उन्होंने आगे कहा, मैंने सच में कभी पॉलिटिक्स में आने का सपना नहीं देखा है या मैं खुद को वहां नहीं देखती।

बॉलीवुड में पेमेंट गैप पर कहा

इसके अलावा अभिनेत्री ने बॉलीवुड मे पे-गैप पर भी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह चुनौती सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि सभी प्रोफेशन में आम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सही सैलरी के लिए लड़ाई जारी है और सभी फील्ड में एक जैसी सैलरी के लिए संघर्ष एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। शाहरुख खान, सलमान खान, आमिर खान, अनिल कपूर और संजय दत्त जैसे बड़े बॉलीवुड स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकीं माधुरी दीक्षित को क्या अपने करियर के शीर्ष पर कभी एक जैसी सैलरी के लिए खुद को मजबूत करने की जरूरत पड़ी थी? इस पर उन्होंने कहा कि यह अंतर महिलाओं के लिए हर जगह रहा है, चाहे वे किसी भी सेक्टर में काम करती हों। वर्क फ्रंट की बात करें तो माधुरी अपने अगले प्रोजेक्ट, थ्रिलर-ड्रामा सीरीज मिसेज देशपांडे को लेकर सुर्खियों में हैं। सीरीज का प्रीमियर 19 दिसंबर, 2025 को जियोहॉटस्टार पर होगा।

बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद अशनूर ने खुलकर रखी अपने दिल की बात

रियलिटी शो बिग बॉस 19 से टीवी एक्टर अशनूर कौर को शो से बाहर कर दिया गया। इस एविक्शन ने न सिर्फ फैंस को चौंकाया, बल्कि सोशल मीडिया पर भी बहस छेड़ दी। शो से बाहर आने के बाद अब पहली बार अशनूर ने अपने दिल की बात खुलकर रखी है।

एविक्शन के बाद अशनूर ने अपने फैंस से इंस्टाग्राम लाइव के जरिए बात की। हफ्तों तक घर की दीवारों के भीतर रहने के बाद उनकी आवाज में राहत भी थी और थोड़ा दर्द भी। उन्होंने बताया कि शो से बाहर निकलने का फैसला उनके लिए भी उतना ही अचानक था जितना दर्शकों के लिए। अशनूर ने कहा कि बाहर आते ही उन्हें फैंस का जो प्यार देखने को मिला, उसने उन्हें संभाल लिया। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि फिनाले से एक हफ्ते पहले बाहर होना दुख देता है, लेकिन वह इसे अपनी किस्मत मानकर आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि घर में रहते हुए वो फैंस को काफी मिस करती थीं, इसलिए सबसे पहले लाइव आकर उन्होंने यह भरोसा दिलाया कि वह अब ठीक हैं। बिग बॉस हाउस से उनकी विदाई एक टास्क के दौरान हुई घटना के बाद हुई थी, जहां उन पर तान्या मित्तल को लकड़ी के पट्टे से चोट पहुंचाने का आरोप लगा। शो के होस्ट सलमान खान ने इसे नियमों का उल्लंघन बताया। भले ही अशनूर ने इसे अनजाने में हुई गलती बताया, लेकिन दर्शकों और शो की टीम ने इसे फिजिकल वायलेंस की श्रेणी में रखा। उनके बाहर होते ही सोशल मीडिया पर अनफेयर एविक्शन ट्रेंड करने लगा। कई दर्शकों ने इसे अनुचित बताते हुए कहा कि शो में इससे पहले भी कई बार शारीरिक टकराव हुए हैं, लेकिन हर बार ऐसी सख्त कार्रवाई नहीं की गई। अशनूर ने भी इस मुद्दे पर फैंस के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जो हो चुका है, उसे बदला नहीं जा सकता। हालांकि फिनाले तक जाने का सपना उनका भी था, लेकिन वह इस फैसले को स्वीकार करती हैं। लाइव चैट में जब एक फैन ने पूछा कि क्या वो बिग बॉस 19 के फिनाले में नजर आएंगी, तो उन्होंने हामी भरते हुए फैंस को खुश कर दिया है। शो का ग्रैंड फिनाले 7 दिसंबर को होना है, जहां वो बतौर पूर्व कंटेस्टेंट शामिल होंगी।

किरदार भी बदल सकता है जिंदगी शेफाली शाह को मिला रिया का सबसे बड़ा अवॉर्ड

अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने करियर में ऐसी कई फिल्मों में काम किया, जो दर्शकों के दिलों में घर कर गईं, फिर चाहे उनकी फिल्म जूस, जलसा, या फिर थ्री ऑफ अस हो। इन्हीं में से उनकी फिल्म मॉनसून वेडिंग, जिसमें रिया के किरदार ने तमाम महिलाओं की जिंदगी को बदल दिया था। दरअसल, इस फिल्म में अभिनेत्री शेफाली शाह ने रिया वर्मा का किरदार निभाया था, जो बचपन में यौन शोषण का शिकार हुई थी। फिल्म को याद करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा, फिल्म मॉनसून वेडिंग की शूटिंग के समय सारे कलाकार और क्रू एक बड़े परिवार की तरह थे। हम लोग सुबह साथ मेंयोगा और नाश्ता करते थे और बाद में नसीरुद्दीन शाह के साथ एक्टिंग वर्कशॉप होती थी। दोपहर में डायरेक्टर मीरा नायर अलग-अलग सीन पर काम करवाती थीं। मीरा नायर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को इटली के वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। मीरा नायर ये सम्मान पाने वाली सत्यजीत रे के बाद दूसरी भारतीय बनी थीं। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने लिखा कि जब वे इस फिल्म की शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें नहीं पता था कि यह फिल्म वेनिस फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन लॉयन अवॉर्ड जीतेगी और उनका किरदार 'रिया' लाखों लोगों की आवाज बनेगी। अभिनेत्री शेफाली ने बताया, रिया एक ऐसी लड़की थी, जिसने अपने साथ हुए गलत के लिए खुद को दोषी नहीं माना, बल्कि, वह शर्म और अपराध को त्यागकर गुनहगार को जवाबदेह ठहराती है। यही बात कई चुप्पी साधे बैठी महिलाओं को हिम्मत दे गई। अभिनेत्री ने लिखा, मुझे नहीं पता कितनी महिलाओं को रिया से हिम्मत मिली, पर मैं जानती हूं कि यह किरदार उन तमाम महिलाओं की कहानियों को दर्शाता है जिन्हें मैं जानती थी या नहीं। शेफाली ने दिल्ली का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया, दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात एक बुजुर्ग दंपती से हुई थी। वहां पर पति ने मेरी तारीफ की और पत्नी चुपचाप उनका हाथ पकड़े खड़ी थी। जाने से पहले पति ने मुझसे कहा, इन्होंने भी वही दर्द झेला है जो रिया ने झेला था। आपकी वजह से इन्हें सालों बाद अपनी बात कहने की हिम्मत मिली। शेफाली लिखती हैं, मैं अक्सर सोचा करती थी कि मैं न तो डॉक्टर, वकील और न ही वैज्ञानिक हूं। मैं ऐसा क्या कर रही हूं जो समाज में नया बदलाव लेकर आए, लेकिन उस दिन मुझे पता चला कि एक किरदार भी आम इंसान की जिंदगी बदल सकता है।

परिवार को समय देने के सवाल पर बोले मनोज बाजपेयी

द फैमिली मैन के तीसरे पार्ट में इन दिनों नजर आ रहे अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में कई पहलुओं पर बात की है। खास बातचीत में मनोज ने किरदार, ओटीटी के दौर, परिवार और इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की।

इतने साल बाद जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव बताएं

उसके साथ मैंने पहली बार जिस फिल्म में काम किया था, वो थी चिट्टागोंग। उस फिल्म में सिर्फ वही नहीं बल्कि कई और लोग भी थे जो मेरे एफटीआईआई के बैचमेट थे - राजकुमार राव, विजय वर्माज्ये सब। वहीं से मैंने जयदीप को जाना। दरअसल, उस समय जब अनुराग से मेरी बात होती थी, तो उसकी एक आदत मैंने नोटिस की थी। जब भी हम बात करते और अगर वो कोई नई फिल्म बना रहा होता, तो मुझसे हमेशा एक रेकमेंडेशन मांगता था। अगर उसे किसी तरह का एक्टर चाहिए होता है, तो पूछ लेता है कि कौन इस रोल के लिए ठीक रहेगा। तो उस दिन भी बात हो रही थी और मैंने जयदीप का नाम सुझाया था। राजकुमार और विजय के बारे में उसे पहले से पता था। उस समय से मैं इन लोगों को जानता हूं। इनके शुरुआती दौर से जानता हूं। इसलिए एक जान-पहचान भी है और ये लोग मुझे इज्जत भी बहुत देते हैं। एक अच्छा संबंध है- एक्टर वाला संबंध। सीनियर और जूनियर दोनों तरह का रिश्ता है।

जब सेट पर आप और जयदीप साथ होते थे, तो माहौल कैसा रहता था?

सेट पर माहौल काफी अच्छा रहता था। ऑफ कैमरा भी हल्की-फुल्की बातें होती थीं। सच कहूं तो मैं ज्यादातर जब बात करता हूं, तो खाने की ही बात करता हूंज नहीं तो मैं अपने काम में डूबा रहता हूं। जब अगला शॉट होना होता, तो मेरा फोकस पूरी तरह उसी पर होता था और बीच-बीच में थोड़ी हंसी-मजाक भी हो जाती थी। मैं खुद मटन बनाता हूं, तो सेट पर भी कभी-कभी मटन बना लेता था। लेकिन जयदीप को मटन से ज्यादा चिकन पसंद है। तो हम दोनों के बीच ऐसी ही बातचीत होती थी जैसी साथी कलाकारों के बीच सामान्य रूप से होती है।

कभी काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं। सच यह है कि वर्क और फैमिली का बैलेंस हर आदमी के लिए एक चुनौती है। सबसे आसान स्थिति उन लोगों की होती है जो सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं। वो काम भी कर लेते हैं और परिवार के साथ समय भी बिता पाते हैं। लेकिन फ्रीलांस जॉब में यह बहुत मुश्किल हो जाता है। यह उसी तरह का काम होता है जैसे इंटेलिजेंस के लोग करते हैं - जिनकी जरूरत हमेशा रहती है और जिनका काम 24 घंटे का होता है। यही वजह है कि श्रीकांत (किरदार का नाम) के लिए चीजें कठिन होती हैं और एक्टर्स के लिए भी। जब काम होता है तो अचानक बहुत काम होता है और जब छुट्टी होती है तो पूरी छुट्टी होती है। जो लोग ऑफिस में काम करते हैं, उनके लिए यह शायद थोड़ा आसान होता है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि शाम को घर लौटना है। वहीं, हम कई-कई दिनों तक घर नहीं जा पाते और बाहर रहते हैं। ऐसे में अगर फैमिली समझदार और अंडरस्टैंडिंग न हो, तो घर संभालना मुश्किल हो जाता है। इसलिए मैं सारा श्रेय अपनी पत्नी को देता हूं।

क्या कभी ऐसा हुआ कि आपकी पत्नी ने आपके काम को लेकर कहा हो कि समय नहीं मिल रहा?

बैलेंस की बात करें तो शुरुआती दिनों में सचमुच मुश्किल थी। लेकिन क्योंकि निशा खुद भी एक्ट्रेस हैं, इसलिए वो इस प्रोफेशन की चुनौतियों को समझती हैं। उनकी समझ की वजह से बहुत सी बातें आसानी से संभल जाती हैं। मैं जब उनके साथ होता हूं, तो पूरी तरह उनके साथ रहता हूं। अभी दिसंबर में हम एक लंबी छुट्टी पर जाने वाले हैं। परिवार में बीच-बीच में हल्की तकरार तो होती ही है, और यह बिल्कुल नैचुरल है। अगर कभी कोई खटपट न हो, तो रिश्ते उबाऊ भी लग सकते हैं। जो लोग सुबह ऑफिस जाते हैं और शाम को लौट आते हैं, उनके घरों में भी ऐसा होता है। यह हर परिवार का हिस्सा है और इसी से रिश्ते जीवंत बने रहते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।